mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-02 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

02 जनवरी 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

नया साल शुरू...

@ पेज 7

1901 के बाद 2024 रहा भारत के लिए सबसे गर्म साल, 2016 का भी तोड़ा रिकॉर्ड

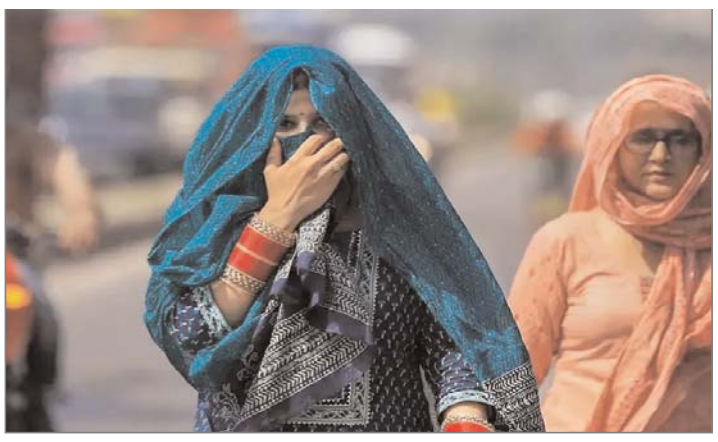

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप सभी को पता है कि साल 2024 बीत गया है और नए साल की शुरुआत ठंड के साथ हुई है। आपका बीता हुआ साल आपको कई कारणों से

● अनियमित मौसम के पैर्टन की व्यापक प्रवृति को दर्शाता है

जरूर याद रहने वाला है। आप इन सभी यादों में एक और याद को जोड़ लीजिए। आपको बता दें कि 2024 ने गर्मी के मामले में एक रिकॉर्ड हासिल किया है। आपको बता दें कि 2024 ने साल 2016 का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 1901 के बाद से सबसे ज्यादा गर्म साल रहने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक साल 2024 अब वर्ष 1901 के बाद से सबसे गर्म साल घोषित हुआ है।

आपको बता दें कि एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया किया कि 2024 में वार्षिक औसत भूमि सतह वायु तापमान दीर्घ अवधि के औसत (1991-2020 अवधि) से 0.65 डिग्री सेल्सियस अधिक था। यह 2016 में बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया, जब औसत तापमान सामान्य से 0.54 डिग्री सेल्सियस अधिक था। उन्होंने आगे कहा कि, आईएमडी का डेटा भारत में बढ़ते तापमान और अनियमित मौसम के पैर्टन की व्यापक प्रवृति को दर्शाता है। 2024 में सबसे लंबे समय तक गर्म हवाएं चलीं और उसके साथ ही अनियमित बारिश भी हुई। प्रेस ब्रीफिंग में ढ्ढरूष्ठ के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने इस बात पर भी जोर दिया कि क्लाइमेट एक्शन की जरूरत है। आईएमडी ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए तत्काल और समन्वित कार्रवाई करने के महत्व पर जोर दिया। अगर दिल्ली के तापमान की बात करें तो दिल्ली में ठंड से फिलहाल राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग ने दिल्ली में आज आंशिक रूप से बादल के छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग की माने तो राजधानी दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में बुधवार को धुंध और कोहरा छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली दिल्ली में दोपहर के वक्त हवा की रफ्तार में बढ़ोत्तरी दिखेगी। वहीं हवा की रफ्तार इस दौरान 14-18 किमी प्रतिघंटा होने की संभावना है। वहीं शाम तक हवा की रफ्तार घटकर 8 किमी प्रतिघंटा रहने की संभावना है। वहीं आज न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

नए साल पर गाजा में इजरायल ने बरपाया कहर, मचा दी तबाही

दीर अल बलाह (एजेंसी)। गाजा पट्टी पर इजरायल की ओर से किए गए ताजा हमलों में कम से कम 12 फलस्तीनी मारे गए हैं जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। करीब 15 महीने से चल रही जंग नए साल के

मौके पर भी जारी है और इसके खत्म होने के फिलहाल कोई आसार नहीं दिखते है। एक हमला उत्तरी गाजा के जबालिया इलाके में एक घर पर हुआ, जो इस क्षेत्र का नष्ट हो चुका हिस्सा है। यहां इजरायल जंग की शुरुआत से ही एक बड़ा अभियान चला रहा है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हमले में सात लोग मारे गए, जिनमें एक महिला और चार बच्चे शामिल हैं और कम से कम एक दर्जन अन्य लोग जख्मी हुए हैं। अल-अक्सा शोहदा अस्पताल के मुताबिक, मध्य गाजा स्थित बुरीज शरणार्थी शिविर में रात को हुए एक अन्य हमले में एक महिला और एक बच्चे की मौत हो गई। सेना ने लोगों को बुरीज के पास एक क्षेत्र को रातों-रात खाली करने का आदेश दिया और कहा कि वह फलस्तीनी आतंकियो द्वारा हाल में किए गए रॉकेट हमले के जवाब में वहां हमला किया जाएगा। नासेर अस्पताल और यूरोपीय अस्पताल के अनुसार, तीसरा हमला बुधवार तड़के दक्षिणी शहर खान यूनिस में हुआ जहां तीन लोगों की मौत हो गई।

बांग्लादेश में चुनाव लड़ेगी शेख हसीना की पार्टी?

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नसीरुद्दीन ने बड़ी बात कही है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर यदि सरकार या न्यायपालिका प्रतिबंध नहीं लगाती तो पार्टी चुनाव लड़ सकती है। समाचार पत्र 'ढाका ट्रिब्यून' की एक खबर के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ने चटगांव सर्किट हाउस में चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान यह बात कही। नसीरुद्दीन ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग पूरी तरह स्वतंत्र है और उस पर कोई बाहरी दबाव नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' बांग्लादेश में हुए पिछले कुछ चुनावों में मतदान में भारी गिरावट आई है। पिछले चुनावों में मुख्य विपक्षी पार्टियों ने धांधली का आरोप लगाते हुए चुनावों का बहिष्कार कर दिया था। सीईसी ने पिछले चुनावों में फर्जी मतदाताओं के मुद्दे को भी स्वीकार किया और मतदाता पंजीकरण में गिरावट का कारण मतदान प्रक्रिया में अविश्वास को बताया। उन्होंने जल्द ही मतदाता सूची को अपडेट करने की बात कही है। उन्होंने कहा, ''मतदाता सूची अगले छह महीनों में अपडेट कर दी जाएगी। इस बार चुनाव पिछले बार की तरह नहीं होंगे। पांच अगस्त के बाद से चुनावी मामलों पर राष्ट्रीय सहमति बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।''

खाई में पलटी यूपी सरकार के मंत्री के काफिले की गाड़ी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डाक्टर संजय निषाद के काफिले की एक गाड़ी हादसे का शिकार हो गई है। जानकारी के मुताबिक, राज्य के बलिया में मंत्री के काफिले की गाड़ी एक पशु को बचाने की कोशिश में अनियंत्रित होकर खाई में पलट गयी। इस हादसे में गाड़ी में सवार 4 महिला कार्यकर्ताओं सहित पांच लोगों के घायल होने की खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, यूपी सरकार के मंत्री संजय निषाद पार्टी द्वारा आयोजित संवैधानिक अधिकार यात्रा में शामिल होने के लिए मंगलवार की रात को काफिले के साथ बलिया आ रहे थे। हालांकि, खेजुरी थाना क्षेत्र के जनुआन गांव के समीप एक पशु को बचाने की कोशिश में उनके काफिले की एक गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई जिस कारण कई कार्यकर्ता घायल हो गए। घटना के सामने आते ही लोगों में हड़कंप मच गया। हादसे की खबर मिलते क्षेत्र के एएसपी अनिल झा सहित एसडीएम सिकंदरपुर रवि कुमार मौके पर पहुंचे। जानकारी के मुताबिक, हादसे में घायल हुए लोगों को आनन-फानन में सीएचसी सिकंदरपुर पहुंचाया गया है। डॉक्टरो ने गंभीर स्थिति देखते हुए घायलों को जिला चिकित्सालय रेफर किया है। मंत्री संजय निषाद ने बताया है कि इस दुर्घटना में उनकी पार्टी के कार्यकर्ता राकेश निषाद, रामरती, उषा, गीता, और इरावती निषाद घायल हो गए। मंत्री के काफिले घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एकमुश्त विशेष पैकेज को कैबिनेट ने मंजूरी दी

किसानों को नए साल के पहले दिन सरकार से मिला तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि डाय-अमोनियम फॉस्फेट उर्वरक के लिए 3,850 करोड़ रुपये तक के एकमुश्त विशेष पैकेज को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। केंद्रीय कैबिनेट की इस मंजूरी के बाद किसानों को डीएपी उर्वरक की आपूर्ति में कोई रुकावट नहीं आएगी और इसकी कीमतों में राहत मिलेगी। इस विशेष पैकेज के तहत केंद्र सरकार उर्वरक कंपनियों को आर्थिक सहायता प्रदान करेगी, ताकि वे किसानों तक उर्वरक की आपूर्ति जारी रखें और कीमतों को काबू किया जा सके।

किसानों को 50 किलोग्राम डीएपी उर्वरक का बैग 1350 रुपये में ही मिलेगा, जो अतिरिक्त भार आएगा उसको सरकार वहन करेगी। वैसे इस एक बैग की कीमत 3000 रुपये के करीब है। इसके लिए एक समय में 3850 करोड़ की सब्सिडी दी जाएगी। अभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में डीएपी की कीमतों में उतार-चढ़ाव है, लेकिन बताया जा रहा है कि इसका असर भारत के किसानों पर नहीं पड़ेगा।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में किसानों के लिए कई कदम उठाए गए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पीएम फसल योजना का आवंटन बढ़ाकर 69515 करोड़ किया गया है। वहीं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने को मंजूरी दी गई है। इसके लिए 2021-22 से 2025-26 तक 69,515.71 करोड़ रुपये का कुल परिव्यय निर्धारित किया गया है। इस निर्णय से 2025-26 तक देश भर के किसानों के लिए गैर-रोकथाम योग्य प्राकृतिक आपदाओं से फसलों के जोखिम कवरेज में मदद मिलेगी।

युवती ने सुपारी देकर बैंककर्मी मंगेतर पर चलवाई गोली

अररिया (एजेंसी)। बिहार के अररिया में पुलिस ने एक युवती को उसके बॉयफ्रेंड के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। युवती पर अपने होने वाले पति (मंगेतर) पर गोली चलवाने का आरोप है। युवती का मंगेतर दीपक बैंक में काम करता है। दीपक पर 24 दिसंबर 2024 को बदमाशों ने गोली मार दी थी। हालांकि युवक की जान बच गई थी।

जानकारी के मुताबिक, अररिया में एक युवती की बैंककर्मी लड़के के साथ शादी तय हुई थी। लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पहले तो अपराधियों को हायर किया और अपने होने वाले पति दीपक पर गोली चलवा दी। इस वारदात को अंजाम देने के लिए युवती और उसके बॉयफ्रेंड ने अपराधियों को 50 हजार रुपये की सुपारी दी थी। अररिया पुलिस ने गोलीकांड पर बड़ा खुलासा करते हुए आरोपी युवती समेत 5 को गिरफ्तार किया है। अररिया एसपी अमित रंजन ने बताया कि इस कार्रवाई में 2 देसी पिस्टल, 2 मैगजीन, 4 कारतूस, 2 मोबाइल फोन और 30 हजार रुपये भी जब्त किया है।

मनमोहन सिंह के मेमोरियल के लिये सरकार ने की परिवार से चर्चा

परिवार को कुछ विकल्प भी दिए गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के मेमोरियल को लेकर सरकार ने उनके परिवार से चर्चा की है। उनके परिवार को कुछ विकल्प भी दिए गए हैं, जिसमें स्मृति स्थल का भी विकल्प है। हालांकि इसके लिए ट्रस्ट बनाना जरूरी है।

भारत में आर्थिक सुधारों के जनक कहे जाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार को निधन हो गया था। वह 92 साल के थे। सिंह ने देश के वित्त मंत्री के तौर पर भी काम किया था। प्रधानमंत्री के रूप में सिंह के कार्यकाल के दौरान मॉरीशस समेत कई प्रमुख देशों के साथ भारत के संबंधों में उल्लेखनीय सुधार हुआ था।

मनमोहन सिंह का शनिवार को दिल्ली के निगम बोध घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में कांग्रेस के कई दिग्गज नेता शामिल हुए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजनाथ समेत कई नेताओं ने निगम बोध घाट पर पहुंच कर पूर्व पीएम के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि दी। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की बड़ी बेटी ने पिता को मुखाग्नि दी। इसी के साथ पूर्व पीएम मनमोहन सिंह सदा के लिए पंचतत्व में विलीन

हो गए। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन को अपने लिए बड़ी व्यक्तिगत क्षति करार दिया। उन्होंने कहा कि वह उनके लिए 'मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक' थे। सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी के लोग और भारत के लोग हमेशा इस बात पर गर्व करेंगे तथा आभारी रहेंगे कि मनमोहन सिंह ऐसे नेता थे, जिनका भारत की प्रगति और विकास में योगदान अतुलनीय हैं।

काशी की मस्जिद के हक को हम खो चुके...

असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर विवादित बयान देकर लोगों को भड़काने की कोशिश की

नई दिल्ली (एजेंसी)। असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर विवादित बयान देकर लोगों को भड़काने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, 'मैं इतने बरसों से कह रहा हूं कि अपनी मस्जिदों को आबाद रखो, लेकिन कई बोलते हैं कि असदुद्दीन ओवैसी जज्बाती बयान देते हैं। लेकिन हकीकत ये है कि काशी की मस्जिद के हक को हम खो चुके हैं। वहां नमाज नहीं, कुछ और हो रहा है।' ओवैसी ने कहा, 'मथुरा की मस्जिद पर ललचाई नजरें लगाए बैठे हैं। संभल का किस्सा आपके सामने है कि एक ही दिन में 1/2घंटे में ऑर्डर, 1 घंटे में सर्वे और 5 लोगों को शहीद कर दिया जाता है। इससे भी दिल नहीं भरा तो वक्फ की जमीन पर पुलिस थाना बनाया जाता है। ये गैर प्रोटेक्शन ऑफ मॉन्युमेंट कानूनी के खिलाफ भी है।'

ओवैसी ने कहा, 'मैंने संसद में उठाया कि 1962 में चोरी हुई, दंगे हुए और बंगाल के हमारे देश के 8 लाख लोगों को जबरन बांग्लादेश भेज दिया गया। कई लोगों ने मुझसे पूछा कि ऐसा आप कैसे कह सकते

है। मैंने सबूत दिखा दिए। 1960 में नेहरू के वक्त असम से 40,000 लोगों को जबरन ईस्ट बंगाल में डाल दिया कि वो पाकिस्तानी हैं। बीजेपी की कामयाबी नफरत की कामयाबी है, मोहब्बत की कामयाबी नहीं है। अपने आप भविष्य में बदलाव नहीं आएगा। अपनी दुआओं में फिलिस्तीनियों को याद करें। अब गाजा में 9 -10 साल के बच्चे नहीं बचे, सब मर चुके हैं।'

गौरतलब है कि हालही में यूपी के संभल में जामा मस्जिद के पास बन रही पुलिस चौकी को लेकर सियासत गरमा गई थी और एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने दावा किया था कि पुलिस चौकी वक्फ की जमीन पर बन रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए ये दावा किया था। सांसद ने मंगलवार को सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- संभल की जामा मस्जिद के पास जो पुलिस चौकी बनाई जा रही है, वह वक्फ की जमीन पर है, जैसा कि रिकॉर्ड में दर्ज है।

होटल में शराब पिलाई, फिर किया मां और 4 बहनों का कत्ल

पिता ने भी की मदद

लखनऊ (एजेंसी)। नए साल के पहले दिन ही उत्तर प्रदेश का लखनऊ खौफनाक हत्याकांड से दहल उठा है। होटल शरणजीत में अरशद नाम के एक शख्स ने अपनी ही मां और 4 बहनों को मौत के घाट उतार दिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उससे लगातार पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी अरशद ने अपना आरोप कबूल करते हुए कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आरोपी ने ये भी बताया है कि इस हत्याकांड को अंजाम देने में उसके पिता ने भी उसकी मदद की है।

आरोपी ने क्या बताया?: पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी अरशद ने अपनी चार बहनों और माता की हत्या करने की घटना को कबूल करते हुए बताया कि उसने मोहल्ले वालों के डर से ये हत्या की है। अरशद ने बताया है कि मोहल्ले वाले इनके परिवार को परेशान कर रहे थे। इसको डर था कि अगर इसे कुछ हो गया तो इनकी माँ और बहन का क्या होगा, इसलिए इसने उनको मार देने का फ़ैसला किया।

इस तरह की बेरहमी से हत्या: आरोपी अरशद ने बताया है कि वह परिवार को पहले अजमेर लेकर गया फ़िर यूपी के लखनऊ लाकर सभी को होटल में रुकवाया। रात्रि में उसने उनहें शराब पिलाई और कुछ के मुँह में कपड़ा डालकर दुपट्टे से गला दबा दिया। वहीं, उसने कुछ की कलाई ब्लेड से काट दी। आरोपी ने खुलासा किया है कि इस काम में उसके पिता ने भी मदद की है।

खुद पहुंचा पुलिस थाने: अरशद ने इस हत्याकांड के बाद अपने पिता को रेलवे स्टेशन पर छोड़ दिया और स्वयं थाने पहुँचकर घटना की सूचना दी। अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आला कत्ल ब्लेड व दुपट्टा बरामद कर लिया गया है। आरोपी से घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है। प्रत्येक तथ्य के संबंध में साक्ष्य संकलन कर सत्यापित किया जा रहा है।

सीएम योगी से की अपील: इस हत्याकांड को अंजाम देने के बाद वीडियो भी बनाया था। वीडियो में अरशद ने अपने मोहल्ले वालों पर आरोप लगाया है।

ई-रिक्शा को लेकर योगी सरकार का बड़ा ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नव वर्ष के पहले दिन बुधवार को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने सभी विभागों को सड़क सुरक्षा से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि जनपदीय सड़क सुरक्षा समिति जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 5 जनवरी तक हर हाल में बैठक संपन्न कर लें। छह से 10 जनवरी तक सभी स्कूलों-कॉलेजों में सड़क सुरक्षा नियमों से संबंधित

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि महाकुम्भ में बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए पीआरडी और होमगार्डों की संख्या बढ़ाई जाए। सीएम योगी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में हर साल हो रही 23-25 हजार मौतें देश और राज्य की क्षति है। यह दुर्घटनाएं जागरूकता के अभाव में होती हैं। सड़क सुरक्षा माह सिर्फ लखनऊ तक सीमित न रहे, बल्कि इसे प्रदेश के सभी 75 जनपदों में सुचारू रूप से संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त भी हर माह जनपदों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा की बैठक हो जिसमें पुलिस अधीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, आरटीओ, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

भोपाल सहित पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 76 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्र सरकार की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) योजना के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम त्वरित गति से शुरू कर दिया गया है। जहां जहां स?मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, वहां पर समय पर बिलिंग तथा रीडिंग हो रही है। कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 76 हजार 277 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें से भोपाल शहर वृत्त में 66 हजार 943, भोपाल ग्रामीण में 6 हजार 745, ग्वालियर शहर वृत्त में 97, ग्वालियर ग्रामीण में 559, नर्मदापुरम ग्रामीण में 1 हजार 414, बैतूल ग्रामीण में 99, राजगढ ग्रामीण में 102, सीहोर ग्रामीण में 305, विदिशा ग्रामीण में 14 स्मार्ट मीटर स्थापित किए गए हैं। कंपनी ने कहा है कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं, सटीक बिलिंग और ऊर्जा दक्षता में सुधार होगा। स्मार्ट मीटर लगाने का काम समय सीमा में पूर्ण करने के लिए कंपनी की टीमें लगातार कार्य में जुटी हुई हैं। कंपनी ने स्मार्ट मीटर के फायदे बताते हुए कहा है कि स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा प्राप्त किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को सटीक और समय पर बिलिंग सुनिश्चित की जा रही है। इसके अतिरिक्त स्वीकृति प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। जहां जहां भी स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं वहां पर बिलिंग तथा रीडिंग निर्धारित समय पर हो रही है, इससे सभी उपभोक्ता संतुष्ट हैं।

एनटीए परीक्षा के लिए राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.) द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संचालन में समन्वय और प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया गया है। समिति में अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, कानून एवं व्यवस्था, एन.टी.ए. के महानिदेशक द्वारा नामांकित नोडल अधिकारी, राज्य सूचना अधिकारी एनआईसी, मध्यप्रदेश और संयुक्त निदेशक, इंटेलिजेंस ब्यूरो को नामित किया गया है।

राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान 2 जनवरी को मंत्रालय स्थित पटेल पार्क में होगा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मंत्रालय स्थित वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्रगीत वन्देमातरम एवं राष्ट्रगान जन गण मन का गायन 2 जनवरी को प्रातः 11 बजे किया जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन होने से 26 दिसम्बर 2024 से 1 जनवरी 2025 तक राजकीय शोक होने के कारण मंत्रालय में राष्ट्र गीत एवं राष्ट्रगान का आयोजन 2 जनवरी का किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर राष्ट्र गीत एवं राष्ट्र गान का आयोजन पटेल पार्क में किया जाता है।

वन मण्डल कटनी में बाघ के हमले में मृत महिला के परिजन को दी जायेगी आर्थिक सहायता

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन मण्डल कटनी के उप वन मण्डल बीट सुतरी के जंगल में वन्य-प्राणी बाघ द्वारा लकड़ी बीनने गयी महिला दुर्गाबाई पर हमला किया गया, जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। वन विभाग द्वारा शासन के नियमानुसार महिला के परिजन को आर्थिक सहायता दी जाने की कार्यवाही की जा रही है। वन मण्डलाधिकारी कटनी ने बताया कि पीड़ित परिवार को वन विभाग द्वारा हर संभव तात्कालिक सहायता प्राप्त की जा रही है। वन मण्डलाधिकारी कटनी ने बताया कि 30 दिसम्बर को ग्राम सुरती की 7 महिलाएँ बीट सुतरी के जंगल में जलाऊ लकड़ी लेने गयी थीं। घर जाते समय सभी साथ की महिलाओं द्वारा दुर्गाबाई को आवाज देकर घर जाने के लिये बुलाने पर दुर्गाबाई नहीं आयीं। इसकी सूचना महिलाओं ने उसके घर वालों को दी। उसके पति भागीला भूमिया को बीट सुतरी के जंगल में लेंटाना झाड़ियों में उसकी पत्नी मृत मिली और उसके पास बाघ बैठा हुआ था। गाँव के ही श्री राकेश उपाध्याय ने इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुँचे। कार्यवाही के बाद मृत महिला को घटना स्थल से उसके घर लेकर आये। मौके पर वन मण्डलाधिकारी कटनी और उप वन मण्डलाधिकारी कटनी भी उपस्थित थे। वन मण्डलाधिकारी ने बताया कि 3-4 दिन पहले से ही सुतरी जंगल में बाघ मूवमेंट की जानकारी मिले पर मुनादी कर ग्रामीणों को सूचना दी जा रही थी। वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और ग्रामीणों की उपस्थिति में पोस्टमार्टम के बाद मृत महिला का अंतिम संस्कार किया गया।

चालू पावर ट्रांसफार्मर से कॉपर स्ट्रिप चोरी किये जाने के प्रयास को आउटसोर्स कर्मियों ने किया नाकाम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के विदिशा जिले में स्थित 132 के.व्ही. सबस्टेशन शमशाबाद के चालू पावर ट्रांसफार्मर्स से तांबे की अर्थिंग पट्टी (कॉपर स्ट्रिप) को निकालने के प्रयास को सबस्टेशन के आउटसोर्स ऑपरेटर धीरेन्द्र राठौर, निरंजन विश्वकर्मा एवं सुरक्षा सैनिक दीपक पॉल ने अपनी हिम्मत, सूझबूझ और कर्तव्य निष्ठा का अनूठा उदाहरण पेश करते हुये असफल कर दिया। जिससे रबी के इस सीजन में शमशाबाद, बैरसिया, सिरोंद क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति के लंबे समय तक प्रभावित होने की आंशका को टाला जा सका। लगभग 4-5 करोड़ रूपये कीमत के पावर ट्रांसफार्मर में तांबे के पट्टी (कॉपर स्ट्रिप) की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रहती है, यह सबस्टेशन में किसी फाल्ट के कारण उत्पन्न होने वाले हजारों एम्पीयर के करेंट को यह संवेदनशील कॉपर स्ट्रिप अपने में से प्रवाहित कर अर्थ कर देती है। इसके कारण उपकरण और सबस्टेशन में कार्यरत कर्मी सुरक्षित रहते है। यदि चालू ट्रांसफार्मर से कॉपर स्ट्रिप अलग करने का प्रयास किया जाता है तो वह न केवल निकालने वाले के लिये घातक

रहती है बल्कि इससे ट्रांसफार्मर के क्षतिग्रस्त होने के पूरी आशंका पैदा हो जाती है। यदि चोर अपने मकसद में सफल हो जाते तो जहां मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी को 4-5 करोड़ रूपये का आर्थिक क्षति पहुंचती। वहीं क्षेत्र में ऐन वक्त रबी के सीजन में किसानों और विद्युत उपभोक्ताओं को हफ्तों बिजली आपूर्ति प्रभावित हो जाती। सबस्टेशन के इन आउटसोर्स कर्मियों द्वारा दिखाये गयी सूझबूझ और बहादुरी के लिये अधीक्षण अभियंता श्री एम.पी. पटेल ने इन्हें सम्मानित कर पुरूस्कृत किया।

राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने किया पदभार ग्रहण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग श्री मनोज श्रीवास्तव ने 1 जनवरी को पदभार ग्रहण किया। श्री श्रीवास्तव ने पदभार ग्रहण करने के बाद अधिकारियों की बैठक लेकर आयोग की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने आयोग द्वारा स्थानीय निकायों के चुनाव में किये जा रहे नवाचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान आयोग के उप सचिव श्री मनोज मालवीय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बाबा विश्वनाथ का किया अभिषेक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ महादेव के दर्शन किये। उन्होंने सपरिवार विधि-विधान से बाबा विश्वनाथ का पूजन एवं अभिषेक किया और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की प्रार्थना की। वाराणसी कैंट विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री सौरभ श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

ड्यूटी से गायब भोपाल के दो डॉक्टरों को नोटिस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बुधवार को गुनगा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ड्यूटी से 2 डॉक्टर गायब मिले। इसे लेकर दोनों डॉक्टरों को नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों से बात की और समस्या पूछी। इसके बाद आंगनवाड़ी केंद्र की पेयजल टंकी को नल-जल योजना से जोड़ने के निर्देश संबंधित अफसरों को दिए। बुधवार को कलेक्टर सिंह बैरसिया क्षेत्र के दौरे पर निकले। सबसे पहले वे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। इस दौरान डॉ. मेघ सक्सेना और डॉ. नीतू राजोरिया गैरहाजिर थे। जिस

पर दोनों को नोटिस देने के निर्देश कलेक्टर ने दिए हैं। कलेक्टर सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी पहुंचे। यहां पर शिविर लगाकर लोगों को योजनाओं का लाभ देने को कहा। साथ ही आमजन से संवाद किया और उनकी समस्याओं को दूर करने की बात कही। इसी गांव की आंगनवाड़ी केंद्र में भी कलेक्टर पहुंचे। उन्होंने बच्चों से बात की और आशा कार्यकर्ता से केंद्र की गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। चर्चा के बाद केंद्र की पानी की टंकी को नल-जल से जोड़ने को कहा। कलेक्टर सिंह शासकीय आम्रपाली उद्यान करौंदिया भी पहुंचे। यहां उद्यान की व्यवस्था का निरीक्षण किया और ग्राफ्टिंग टेक्नीक की जानकारी ली। सरपंच विजय शर्मा ने ग्राम पंचायत की नल-जल योजना में आ रही समस्या की जानकारी दी।

ऊर्जा मंत्री ने सार्वजनिक स्थलों पर नशे का सेवन रोकने तथा स्वच्छता का संदेश देने किया राम धुन का वाचन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप नगर ग्वालियर में सार्वजनिक स्थलों पर नशे का सेवन रोकने तथा स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा आरंभ किए गए अभियान के तहत मंगलवार को आनंद नगर तिराहे कांचमील पर प्रभु श्री राम की धुन का मधुर वाचन किया गया। इस दौरान ऊर्जा मंत्री श्री तोमर के साथ बड़ी संख्या में शहरवासियों ने भी सीताराम धुन में हिस्सा लिया। इससे पहले ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने न्यू कॉलोनी स्थित अपने आवास से आनंद नगर कांच मील तक स्वच्छता का संदेश देते हुए दुकानदारों और ठेले वालों से कचरा डस्टबिन में डालने तथा अपने आसपास सफाई रखने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से हम अपने लिए और अपने आस-पास के लोगों के लिए सुरक्षित वातावरण बना सकते हैं। जिससे न केवल हम स्वस्थ रहेंगे बल्कि अपने पड़ोसियों को भी बीमारियों से बचा सकते हैं।

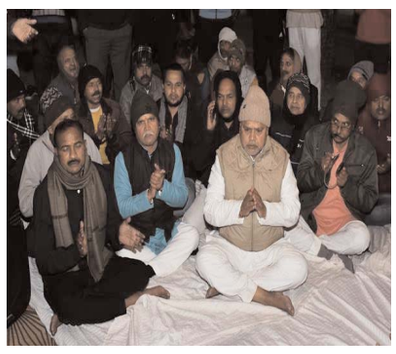

यूनियन कार्बाइड के शेष बचे 337 मीट्रिक टन रासायनिक अपशिष्ट का होगा विनष्टीकरण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संचालक गैस राहत एवं पुनर्वास श्री स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया है कि केन्द्र सरकार की ओवर साइट कमेटी के निर्देशों एवं सुपरविजन के अनुसार यूनियन कार्बाइड के शेष बचे 337 मीट्रिक टन रासायनिक अपशिष्ट के विनष्टीकरण की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि 337 मीट्रिक टन यूसीआईएल अपशिष्ट की पैकिंग, लोडिंग और परिवहन सीपीसीबी द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार और सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के साथ विशेष 12 कंटेनरों से किया जायेगा। कंटेनर्स के साथ पुलिस सुरक्षा बल, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड तथा क्विक रिस्पॉंस टीम रहेगी। यह कंटेनर लीक प्रूफ एवं फायर रेजिस्टेंट हैं। प्रति कंटेनर 2 प्रशिक्षित ड्राइवर नियुक्त किये गये हैं। इन कंटेनरों का मूवमेंट जीपीएस द्वारा मॉनिटर किया जायेगा। अपशिष्ट का परिवहन भोपाल से पीथमपुर टीएसडीएफ तक एक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर शीघ्र किया जायेगा। संचालक श्री सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक इकाइयों में निकलने वाले रासायनिक तथा अन्य अपशिष्ट के निष्पादन के लिये धार जिले के पीथमपुर में एकमात्र प्लांट है, जहां पर भस्मीकरण से अपशिष्ट पदार्थों का विनष्टीकरण किया जाता है। यह प्लांट प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित उद्योगों द्वारा जनित खतरनाक एवं रासायनिक अपशिष्ट के सुरक्षित निष्पादन के लिये स्थापित किया गया है। यह प्लांट सेन्ट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के दिशा-निर्देशानुसार संचालित है। सीपीसीबी की मॉनिटरिंग में सभी निर्धारित पैरामीटर अनुसार सुरक्षा मानकों का ध्यान रखते हुए 10 मीट्रिक टन अपशिष्ट विनिष्टिकरण का ट्रॉयल रन-2015 में किया गया। शेष बचे 337 मीट्रिक टन रासायनिक अपशिष्ट पदार्थों का निष्पादन सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर पारित आदेशों के अनुक्रम में तथा उच्च न्यायालय द्वारा गठित ओवर साइट कमेटी/टास्क फोर्स कमेटी के निर्णय 19 जून 2023 के अनुक्रम में किया जा रहा है।

पीथमपुर में अत्याधुनिक बुनियादी ट्रीटमेंट, स्टोरेज एवं डिस्पोजल फेसिलिटी (टीएसडीएफ) अनुसार वर्ष-2006 से अन्य संस्थाओं के अपशिष्ट का भस्मीकरण ठीक उसी प्रकार से किया जा रहा है, जैसे लगातार क्रियाशील यूसीआईएल में अपशिष्ट संग्रहित हैं। देश में पीथमपुर जैसे 42 संयंत्र क्रियाशील हैं, जिसमें ऐसे रासायनिक अपशिष्ट पदार्थों का उपचार उपरांत निपटान किया जाता है। पीथमपुर में स्थापित यह कॉमन हैज़र्डस वेस्ट ट्रीटमेंट, स्टोरेज और डिस्पोज़ल फैसिलिटी एक अत्याधुनिक सुविधा है, जिसमें ख़तरनाक कचरे को सटीकता और सुरक्षा के साथ निष्पादन करने हेतु डिज़ाइन किया गया है। री-सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड की सहायक कंपनी (पीथमपुर इंडस्ट्रियल वेस्ट मेनेजमेंट प्रा.लि.) द्वारा संचालित, यह सुविधा भस्मीकरण, लैंडफ़िल प्रबंधन और उत्सर्जन नियंत्रण के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग कर अपशिष्टों का निष्पादन करती है। अपशिष्टों के निष्पादन के दौरान इस सुविधा द्वारा लगातार जल एवं वायु मापन कार्य किया जाता है। इस प्रकार यह सुविधा खतरनाक कचरे को पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित रूप से निपटाने और प्राकृतिक संसाधनों को दूषित करने के जोखिम को कम करने के लिये विशिष्ट समाधान प्रदान करती है।

दुग्ध और दुग्ध उत्पादों से किसानों को मिल रहा है अच्छा मुनाफा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वर्ष 2024 प्रदेश में गौ-संरक्षण और संवर्धन के नाम रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में इस भारतीय वर्ष (चैत्र माह से फाल्गुन माह तक) को गौ-संरक्षण और संवर्धन वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया। उन्होंने इस वर्ष पशुपालकों के लिए कई नई योजनाएं लाकर उन्हें आमदनी के नए अवसर भी प्रदान किए।

पशुपालकों एवं गौ-संवर्धन के विकास व संरक्षण के लिए वर्ष 2024-25 के लिए 590 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। इस वर्ष मुख्यमंत्री सहकारी दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के लिए बजट में 150 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। भोपाल के बरखेड़ी-डोब में 10 हजार गौ-वंश क्षमता वाली हाइटेक गौ-शाला बनाई जा रही है, जिसका मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा भूमि-पूजन किया गया। प्रदेश में बड़ी संख्या में

गौ-शालाएं बनाई जा रही है और चरनोई की भूमि से अतिक्रमण हटाए जा रहे है। प्रदेश में संचालित 2500 गौ-शालाओं में 4 लाख से अधिक गौ-वंश का पालन किया जा रहा है। सरकार के निरंतर प्रयासों से प्रदेश में कृषि कार्य के साथ ही पशुपालन, किसानों की आय बढ़ाने का बड़ा जरिया बन गया है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड से भी प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए करारनामा हुआ है। किसानों और पशुपालकों को प्रोत्साहन के लिए दुग्ध उत्पादन पर बोनस दिया जायेगा। देशी गाय और अच्छी नस्ल के देशी नंदी के पालन के लिए मध्यप्रदेश प्राकृतिक कृषि विकास योजना में भी प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया है। किसानों को गौ-पालन और सौर संयंत्रों के प्रयोग पर सरकार प्रोत्साहन दे रही है।

दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश भारत के अग्रणी राज्यों में शामिल है। यहां दुग्ध उत्पादक किसान न केवल बड़ी मात्रा में दूध का उत्पादन कर रहे हैं, अपितु दुग्ध और दुग्ध उत्पादों के विक्रय से अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। राष्ट्र का 9त्न दुग्ध उत्पादन मध्यप्रदेश में होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का संकल्प प्रदेश के दुग्ध उत्पादन को देश के कुल दुग्ध उत्पादन का 20त्न तक पहुंचाना। मध्यप्रदेश दुग्ध संघ का सांची ब्रांड वाजिब दामों में उच्च गुणवत्ता युक्त नए-नए दुग्ध एवं अन्य उत्पाद बाजार में ला रहा है। जिससे सदस्य किसानों को अच्छी आमदनी हो रही है। प्रदेश में कृषि को लाभ का धंधा बनाने में दुग्ध उत्पादन का महत्वपूर्ण स्थान है। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री लखन पटेल ने बताया कि भारत में दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का तीसरा स्थान है।

साहाकार ग्लोबल : सड़कें रौंदो, आदेश ठुकराओ और मुनाफा कमाओ!

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। साहाकार ग्लोबल लिमिटेड कंपनी, जिसे सिंगरौली जिले के हर्दी रेत खदान समेत संपूर्ण शहडोल जिले में रेत निकासी का जिम्मा सौंपा गया है, वही सीधी जिले में इनका टेंडर अभी भी अदालत के दरवाजे खटखटा रहा है। फिलहाल अब 'मुनाफे की गाड़ी' को देश के कानून और लोकल सड़कों पर दौड़ा रही है। यह कंपनी न केवल जिला प्रशासन के आदेशों को ठेंगा दिखा रही है, बल्कि लोकल सड़कों को चकनाचूर करते हुए हरियाली से धूल और इंसानियत से परेशानियां उगल रही है।

कलेक्टर के आदेश को किया हवा: सीधी कलेक्टर द्वारा 8 टन से अधिक भारी वाहनों पर प्रतिबंध का आदेश महज एक कागजी टुकड़ा बनकर रह गया है। 35-40 टन के हैवी हाइवा रेत लादकर इन सड़कों पर ऐसे दौड़ रहे हैं जैसे नियम-कानून सिर्फ फिल्मी कहानियों में होते हैं। साहाकार ग्लोबल के "अविभाजित साम्राज्य" में यह आदेश भी उतना ही प्रभावी है, जितना बारिश में पेंसिल से लिखा गया नोट।

सड़कें नहीं, धूल के बवंडर: गोपद नदी से लेकर कुसमी के रास्ते में पीडब्ल्यूडी की सड़कें और प्रधानमंत्री सड़क योजना की श्रेणी में आने वाले मार्ग, अब किसी खदान के ट्रैक से कम नहीं लगते। गोतरा अष्टभुजी देवी मंदिर पहुंचने वाली सड़क भी धूल के बवंडर में तब्दील हो चुकी है। श्रद्धालु, जो देवी दर्शन के लिए आते हैं, पहले सड़क की क्षतिग्रस्त हालत और धूल का प्रसाद ग्रहण करते हैं।

"अपना टोल, अपना राज!": साहाकार ग्लोबल न केवल रेत खदानों पर कब्जा जमाए बैठा है, बल्कि रीवा-सीधी एनएच 39 पर सोनबरसा टोल प्लाजा भी इन्हीं के हाथों में है। इससे कंपनी को "फ्री पास" मिल जाता है। कौन-सा रास्ता लेना है, कौन-सी गाड़ी रोकनी है, सब कुछ "अपने टोल, अपने राज" की तर्ज पर हो रहा है।

कुसमी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इन रास्तों पर न तो पुलिस कार्यवाही करती है और न ही जिम्मेदार अधिकारी। ग्रामीणों की मांगों को अनदेखा करते हुए प्रशासन चुप्पी साधे बैठा है। ग्रामीणों ने सीधी पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि इस मामले पर तुरंत संज्ञान लेकर कार्रवाई की जाए।

"साहाकार" के साहस की कहानी: कंपनी के हौसले इतने बुलंद हैं कि अधिकारी भी अब इसे अपना "नई दिल्ली का सांसद" समझने लगे हैं। आदेश केवल दीवारों पर सजने के लिए हैं, और कार्रवाई? वह तो सिर्फ आम जनता पर लागू होती है। इस पूरे प्रकरण में, सीधी और सिंगरौली के लोग एक सवाल बार-बार उठाते हैं—क्या हम लोकतंत्र में रह रहे हैं, या साहाकार ग्लोबल के 'रेतीले साम्राज्य' में?

कुचवाही में खड़ी बोलेरो वाहन में लगी आग

वाहन हुआ जलकर खाक, लोगों ने शॉर्ट सर्किट की जताई आशंका

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के ग्राम कुचवाही में घर के सामने खड़ी हुई बोलेरो वाहन में अचानक आग लग गई। जिसकी वजह से वह पूरी तरह से खाक हो गई। लोगों ने बताया कि पास में ही विद्युत पोल था, जिसकी वजह से शायद यह आग शार्ट सर्किट की वजह से लगी हुई हो। घटना बुधवार दोपहर 12 बजे की है।

दरअसल सीधी जिले के ग्राम कुचवाही निवासी शिवराज गुप्ता के घर के पास एक बिजली का खंभा है। उसी के नीचे उनकी बोलेरो खड़ी थी। तभी अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और उनकी गाड़ी मे आग लग गई। साथ ही वह जलकर खाक हो गई है जिसकी वजह से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कोतवाली थाने में पहुंचकर शिकायती पत्र दिया है। जहां मौके पर कोतवाली पुलिस एवं बिजली विभाग के कर्मचारी पहुंच कर आगे की कार्यवाही में जुटे हैं। लगभग 12 लाख रुपए की लागत की उनकी बोलेरो गाड़ी जलकर खाक हुई है जिसकी वजह से उन्हें काफी बड़ा नुकसान हुआ है।

वहां पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया गया कि आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। लेकिन फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर समय रहते नहीं पहुंची, जिससे उनको काफी नुकसान हुआ है। कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय ने बताया है कि बोलेरो जलने का मामला सामने आया है। हम मामले की जांच कर रहे हैं। किस वजह से आग लगी, इसका पता लगाया जा रहा है।

दुर्घटना संभावित स्थानों पर सांकेतिक बोर्ड लगे

इधर, शराब पीकर बाइक चला रहे 2 चालकों की गाड़ियां जब्त

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। जिले में सड़क हादसों को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को जिला मुख्यालय पर यातायात नियमों का पालन करने वालों का फूल माला पहनाकर सम्मान किया गया। पुलिस ने शराब के नशे में वाहन चलाने वाले 2 वाहन चालकों पर कार्रवाई की।

2 बाइक जब्त: पुलिस ने लोगों को समझाइश दी गई कि बाइक चलाते समय हेलमेट का उपयोग करें। ट्रैफिक रूल्स का पालन करें। जिससे हम रोड पर चलते समय सुरक्षित रहे। वहीं शराब पीकर बाइक चलाने पर दो लोगों की बाइक जब्त की गईं हैं। ट्रैफिक पुलिस ने कमर्शियल वाहनों पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए हैं।

यहां लगे सांकेतक बोर्ड: दुर्घटना संभावित स्थानों पर सांकेतिक बोर्ड लगाए जा रहे हैं। आज चचाई रोड पर बाबा कुटी और विवेकानंद रेस्क्यू के पास सांकेतिक बोर्ड लगाए गए हैं।

आग में झुलसा बुजुर्ग किसान, सोते समय कमरे में शॉर्ट सर्किट होने से हादसा, बचाने में बेटा भी जला

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर के छतरपुर के बंदरगढ़ में मंगलवार देर रात एक बुजुर्ग किसान आग में झुलस गया। वह घर पर खाना खाकर लेटा था, तभी शॉर्ट सर्किट से कमरे में आग लग गई। घटना में किसान बुरी तरह झुलस गया। इस दौरान बुजुर्ग को बचाने में उसका बेटा भी मामूली झुलस गया। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां इलाज जारी है। जानकारी परिवार के लोगों को लगी उन्होंने कमरे में घुसकर व्यक्ति को बाहर निकाल जिसे बचाने गए गया युवक भी झुलस गया। देर रात बृद्ध को इलाज के लिए प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल में भर्ती किया गया जहां इलाज जारी है।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग: जानकारी के मुताबिक राम प्रसाद (65) खेत में पानी देकर घर आया था। इसके बाद करीब 11 बजे वह खाना खाकर कमरे में लेट गया। तभी शॉर्ट सर्किट से कमरे में आग लग गई। इस दौरान धुंए से भरे कमरे में बुजुर्ग को बाहर निकलने के लिए दरवाजा दिखाई नहीं दिया और वह बुरी तरह झुलस गया। बुजुर्ग के बेटे राजेश ने बताया कि कुछ देर बाद परिजनों को धुंआ फैलने से आग लगने का पता चला। इसके बाद परिजनों ने कमरे में घुसकर बुजुर्ग को बाहर निकाला और प्राइवेट वाहन से राजनगर अस्पताल ले गए। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया।

50 फीसदी झुलसा बुजुर्ग: जिला अस्पताल में उनका इलाज जारी है। हादसे में बुजुर्ग कमर से ऊपर 50 फीसदी आग में झुलस गया। इस दौरान बुजुर्ग को बचाने गया उसका बेटा राजेश भी झुलस गया। दोनों का इलाज अस्पताल में जारी है।

घटना की जांच करेगी पुलिस: मामले में राजनगर थाना प्रभारी सिद्धार्थ शर्मा ने बताया कि मुझे इस घटना की कोई जानकारी नहीं है, घटना की जांच की जाएगी।

नए साल की शुरुआत पर अमरकंटक में श्रद्धालुओं की भीड़

मां नर्मदा के दर्शन के लिए लंबी-लंबी कतारें लगी, 1 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। नए साल के पहले दिन श्रद्धालु मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर पहुंच रहे हैं। अमरकंटक में मंदिर के मुख्य द्वार से लंबी-लंबी लाइनें लगी हुई है। नर्मदा नदी के कुंड के पास भी लोगों की भीड़ इकट्ठा है। 2 सालों से लगातार अमरकंटक में इस तरह की भीड़ देखने को मिली। पर्यटकों ने कपिलधारा, जलप्रपात, दूध धारा जलप्रपात, माई की बगिया, सोनमुड़ा, जैन मंदिर, कबीर चबूतरा के दर्शन किए।

अमरकंटक में श्रद्धालुओं की संख्या ज्यादा होने की वजह से लगभग 1 से 2 किलोमीटर पहले ही गाड़ियों को रोक दी गई है। ऐसे में बुजुर्ग और दिव्यांग काफी परेशान होते दिखे। हालांकि इससे जाम की समस्या नहीं हुई।

विदेशी पर्यटक भी पहुंचे अमरकंटक: अमरकंटक की सभी होटल और लॉज बुक हैं। कई विदेशी पर्यटक भी अमरकंटक पहुंचे है। मुख्य मंदिर पहुंचने वाले मार्ग में लगने वाली दुकानों को व्यवस्थित कर दूसरी जगह लगवाया गया हैं। इसके साथ ही हर जगह पुलिस बल की तैनात है।

नर्मदा के उद्गम को कांच के पुल की सौगात: अमरकंटक के कपिलधारा और सोन नदी के उद्गम स्थल पर भी कांच के पुल बनाए गए हैं। नर्मदा नदी पर बने पुल से पर्यटक कपिलधारा के मनमोहक दृश्य देख सकेंगे, जबकि सोनमुड़ा पर बने पुल से सोन नदी का मनोरम दृश्य दिखाई देगा। इन दोनों पुलों की लंबाई लगभग 40 फीट होगी। इनकी ऊंचाई 200 से 300 फीट के बीच होगी। इन्हें बनाने में भी करोड़ों खर्च किए गए हैं।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में सोमवल्ली का वृक्षारोपण

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शासकीय महाविद्यालय मड़वास में नववर्ष के ऊपलक्ष्य एवं प्राचार्य डॉ. आई पी प्रजापति जी के जन्म दिन के शुभ अवसर पर महाविद्यालय परिसर में औशधीय पौधा सोमवल्ली का वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य आई पी प्रजापति ने कहा कि यह विलुपप्राय प्रजाति का पौधा है जो भारत के कुछ ही प्रांतों में पाया जाता है इसमें रोग प्रतिरोधक क्षमता पाई जाती है। विंध्य प्रदेश के क्योटी के वनीय क्षेत्रो में पाया जाता है हमे इसके सरंक्षण की आवश्यकता है। सोमवल्ली के बारे में वेदों में भी जिक्र मिलता है। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के डॉ. दीपक अग्निहोत्री, डॉ संगीता मिश्रा, डॉ, निशा सिंह, डॉ अमिता खरे डॉ. पंकज मिश्रा डॉ. कमलेश जायसवाल डॉ. राजेश पटेल डॉ. अनुराग तिवारी डॉ.रामधारी जायसवाल, सुंदर लाल प्रजापति अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र/छात्राएं ऊपस्थित थी।

खंडित मूर्ति का वीडियो आया सामने, सीढ़ियों के पास लगी रेलिंग भी तोड़ी, मंदिर प्रबंधन कोई कार्रवाई नहीं चाहता

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। संपत्ति को लेकर हुए विवाद में परिवार में ही दो पक्ष आपस में भिड़ गए। घटना के बाद एक युवक की जमकर पिटाई कर दी गई। घायल युवक की बुधवार को जबलपुर के अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बाद नाराज परिजन थाने पहुंचे और हंगामा किया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय में न्याय की गुहार लगाई। एसपी रामजी श्रीवास्तव ने तत्काल थाना प्रभारी को निर्देश दिए कि मारपीट करने वाले आरोपी पर हत्या का केस दर्ज किया जाए। इसके बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया। घटना 28 दिसंबर को जयसिंह नगर थाना क्षेत्र के ग्राम शक्ति डोल की है।

तीन लोगों ने मिलकर किया हमला: पुलिस ने बताया कि तीन लोगों ने मिलकर हेतराम पर हमला किया था। इस घटना में हेतराम गंभीर घायल हुआ। हेतराम के परिजनों ने थाने पहुंचे आरोपियों के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की मांग की।

संपत्ति को लेकर हुआ था विवाद: पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों में जमीन की रंजिश को लेकर विवाद हुआ था। दूर के रिश्तेदार शिवभान सिंह और उसके तीन अन्य साथियों ने मिलकर हेतराम पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिसके बाद गंभीर हालत में हेतराम को शहडोल के बाद जबलपुर इलाज के लिए भेजा गया था।

घर में युवक ने लगाई फांसी, मौत

गांव के ही दो लोगों पर मारपीट करने के आरोप

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना-जिले के बृजपुर थाना अंतर्गत ग्राम दमचुआ में बुधवार को एक 30 वर्षीय युवक का शव घर के अंदर फांसी के फंदे में लटकता मिला। मृतक के परिजनों ने गांव के ही 2 लोगों पर पैसे के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में युवक के साथ मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। हालांकि, बृजपुर थाना पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद मृतक का शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

दरअसल, घटना के बारे में मृतक के भाई गोपाल सरदार ने बताया है कि मंगल सरदार पिता प्रफुल्ल सरदार (30) निवासी ग्राम दमचुआ थाना बृजपुर प्रदीप खरे उर्फ गुड्डू और लक्ष्मण मांझी उर्फ लक्खू के पास काम करता था। 2 साल पहले सोमवार को वह अपने पैसे मांगने गया था। तब यह लोग युवक को गैस भरवाने अपने साथ ले गए। लौटकर पैसा देने की बात कही।

हालांकि, पैसा मांगने पर गुड्डू और लक्खू ने मंगल को लाठी डंडों से बेरहमी पिटाई की। गांव के कुछ लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया। इसके बाद 2 दिन तक मंगल जब अपने घर नहीं गया, तो परिजनों ने तलाश की। वह बुधवार को अपने पुराने घर में फांसी के फंदे में संदिग्ध स्थिति में लटका मिला। मामले की उच्चस्तरीय जांच करवा कर दोषियों पर सख्त करवाई की मांग की है।

वहीं बृजपुर थाना प्रभारी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि युवक शव फांसी के फंदे से लटकता मिला है।

नेकी की दीवार से स्वच्छता कर्मियों का सम्मान एक सराहनीय पहल : सांसद

उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा में सीधी अब्बल, सफाई कर्मियों का अहम योगदान : सिविल सर्जन डॉ. इसरानी

स्वच्छ अस्पताल एवं घर से ही स्वस्थ भारत का होगा निर्माण : सीएमएचओ

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। स्वास्थ्य विभाग ने नव वर्ष का स्वागत सफाई कर्मियों, सुरक्षा कर्मियों एवं चिकित्सकों को सम्मानित कर किया। जिला अस्पताल के समीप संचालित नेकी की दीवार के माध्यम से आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, अध्यक्षता डॉ.दीपारानी इसरानी सिविल सर्जन जिला अस्पताल, विशिष्ट अतिथि डॉ. सुनीता तिवारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, समाजसेवी कमल कामदार, दिलीप सितानी, आनंद परियानी, सुशील अग्रवानी, डॉ. सिराज अंशारी, संजीव मिश्रा सहित जिला अस्पताल के समस्त चिकित्सक, सफाईकर्मी, सुरक्षाकर्मी, नर्सिंग स्टाफ सहित सैकड़ो गणमान्यजन उपस्थित रहे। नेकी की दीवार में आयोजित स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने कहा कि नेकी की दीवार के माध्यम से स्वच्छता कर्मियों का सम्मान एक सराहनीय पहल है। मैं जिला चिकित्सालय का एक सदस्य था, हूँ और सदैव रहूँगा। यह एक गौरव का विषय है कि आज सभी के सहयोग से प्रदेश में सीधी का नाम हो रहा है, सभी सहयोगियों को हृदय से आभार है।

डॉ. दीपारानी इशरानी सिविल सर्जन ने बताया कि ज्यादा हो तो दे जाएं, जरूरत हो तो ले जाएं की थीम के साथ नेकी की दीवार का संचालन सीएमओ नगर पालिका मिनी अग्रवाल, समाजसेवी डा.सिराज अंशारी एवं संरक्षक संजीव मिश्रा एवं टीम के द्वारा किया जा रहा है। इसके माध्यम से अब तक हजारों जरूरतमंदो तक वस्त्रदान एवं मदद पहुँचाई जा चुकी है। इसी क्रम में नव वर्ष के शुरूआत में 1 जनवरी को सफाईकर्मियों, सुरक्षा कर्मियों एवं चिकित्सकों का सम्मान शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिंह भेंट कर किया गया। डॉ. दीपारानी ने आगे बताया कि वर्तमान में सीधी जिले के समस्त चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मियों के अथक परिश्रम के बदौलत प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा के लिये जाना जाता है। यह अपने आप में गौरव का विषय है। जिला अस्पताल ने विगत वर्ष लगभग 2.5 लाख मरीजों का सफल उपचार किया है। साथ ही जिला टीकाकरण, डायलिसिस एवं अन्य विधाओं प्रदेश स्तर पर परचम लहराया है। यह उपलब्धि सभी के सहयोग से हमें आज प्राप्त हुई है। ऐसे में सभी सफाई कर्मी, स्वास्थ्य कर्मी एवं सुरक्षा कर्मियों का सम्मान वास्तव में सीधी जिले का सम्मान है।

सीएमएचओ डॉ.सुनीता तिवारी ने अपने सभी स्वास्थ्य कर्मियों का उत्साह वर्धन किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ अस्पताल एवं घर से ही स्वस्थ भारत का निर्माण होता है। उक्त कार्यक्रम का सफल संचालन संजीव मिश्रा समाजसेवी एवं कलमकार के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित: नेकी की दीवार में आयोजित सम्मान समारोह में डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. अरविन्द सोनी, डॉ. लक्ष्मण पटेल, डॉ. रवि पटेल, डॉ. हिमेश पाठक, डॉ. हरिओम सिंह, डॉ. विभा सिंह, डॉ. अंकिता सिंह, अविनीश मिश्रा, पंकज सिंह मैनेजर, डॉ. आर. बी. सिंह, डॉ. अतुल पाण्डेय, डॉ. उदय सिंह, नर्स स्टाफ बालेन्द्र सिंह, सहित बड़ी संख्या में नगर के गणमान्यजन मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सरपंच संघ द्वारा भोपाल में जारी धरना में रीवा से पहुचेगें सरपंच

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। सरपंचो के हक अधिकार एवं पंचायती राज को बचाने के लिये राष्ट्रीय सरपंच संघ म.प्र. के अध्यक्ष राजवीर सिंह तोमर के नेतृत्व में म.प्र. के पूरे सरपंचों द्वारा अनवरत रूप से धरना एवं भूख हड़ताल भोपाल में जारी है। जिसमें शामिल होने के लिये 8 जनवरी 2025 को रीवा से चल कर 9 जनवरी को भोपाल पहुचेंगे रीवा एवं मऊगंज जिले के सरपंचगण। जिला अध्यक्ष-राष्ट्रीय सरपंच संघ रीवा सुरेश सिंह माड़ो ने बताया है कि राष्ट्रीय सरपंच संघ के ब्लॉक अध्यक्ष क्रमशः रीवा ब्लॉक-रेखाभोले (करहिया), ब्लॉक अध्यक्ष सिरमौर-प्रशांत गर्ग गुहिया, ब्लॉक अध्यक्ष जवा-प्रदीप सिंह रिमारी, ब्लॉक अध्यक्ष त्योंथर-शेषमणि मिश्रा सोहागी, ब्लॉक अध्यक्ष- गंगेव मृगेन्द्र सिंह अमहा्द्व, ब्लॉक अध्यक्ष रामपुर कर्चुलियान-अन्नू पटेल पहड़िया अपनीअपनी तैयारी बैठक 7 जनवरी तक कर 8 जनवरी को भोपाल के लिये रवानगी तय है। प्रदेश संरक्षक राष्ट्रीय सरपंच संघ एवं रीवा संभाग प्रभारी चक्रधर सिंह जवा एवं जिला अध्यक्ष जी का ब्लॉकों में दौरा सरपंचों से संपर्क निरन्तर जारी है।

रजनीश कुशवाहा खैरहन जिला सचिव राष्ट्रीय सरपंच रीवा ने सभी रीवा एवं मऊगंज के सरपंच साथियों से आपस मेंतैयारी बैठक कर 8 जनवरी को भोपाल रवाना होने के लिये अपील की है।

संपादकीय

यह वर्ष देगा भारत को विकास की असीम संभावनायें

भारत के लिए नूतन वर्ष 2025 कई क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियों का बड़ा तोहफ़ा लेन वाला साल साबित हो सकता है। भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था की तरफ लंबी छलांग लगा सकता है। सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाएं देने में भी हम सारे संसार का नेतृत्व करने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। इसी तरह भारत विश्व भर के पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित और सस्ता आकर्षण का केंद्र भी बन सकता है जहाँ पर्यटकों की रुचि के तमाम केंद्र, हर तरह के ख़ान-पान, स्थानीय कुटीर उद्योगों के उत्पाद और गाइड के रूप में अच्छे पड़े लिखे बढ़िया अंग्रेज़ी जानने बोलने वाले विद्यमान है, जो एक साथ मुश्किल से ही किसी एक देश में मिल सकते हैं। इनके अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रों में हमारे लिए आगे बढ़ने का अनुपम अवसर बन रहे हैं। अब इस बात से सारी दुनिया वाकिफ हो चुकी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था डिजिटल होती जा रही है। इस लिहाज से भारत सरकार बेहद गंभीर भी है। इसके तहत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता, और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है और आवश्यक संसाधन भी तेजी से विकसित किये जा रहे हैं । 2025 तक, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, और डिजिटल वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी। भारत में ई-कॉमर्स का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक, इसके और भी अधिक परिपक्व होने की उम्मीद है, जिसमें ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान और लॉजिस्टिक्स में भी पर्याप्त सुधार होगा। डिजिटल भुगतान को भी सरकारी स्तर पर पर्याप्त बढ़ावा दिया जा रहा है। 2025 तक, भारत में डिजिटल लेनदेन की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। भारत में 5जी तकनीक के प्रयोग में तेजी से विस्तार हो रहा है। 2025 तक, इसका व्यापक रूप से उपयोग होने लगेगा इसकी उम्मीद है, जो तेज रफ्तार से इंटरनेट की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। डिजिटल परिवर्तन के साथ, साइबर सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है। 2025 तक, भारत इस क्षेत्र में और अधिक मजबूत हो सकता है, जो डेटा सुरक्षा और साइबर अपराधों को रोकने में मदद करेगा। इसके साथ ही, भारत दुनिया के सबसे बड़े सॉफ्टवेयर विकास और निर्यात केंद्रों में एक बड़ा और मजबूत केंद्र बनकर खड़ा हो चुका है। 2025 तक, यह क्षेत्र और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है, जो विदेशी मुद्रा कमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नई लकीर खींचने की कोशिश में जुटे मोहन यादव

उमेश चतुर्वेदी

विधानसभा चुनाव में अभूतपूर्व जीत के बाद मध्य प्रदेश में बीजेपी ने तकरीबन अपरिचित चेहरे को राज्य की कमान सौंपने का फैसला लिया, तो राजनीतिक हलकों में हैरत जताई गई थी। उन्हीं मोहन यादव ने बतौर मुयमंत्री सालभर की यात्रा पूरी कर ली है। मंत्री के तौर पर मोहन यादव मध्य प्रदेश शासन का हिस्से रहे, लेकिन मुयमंत्री बनने के बाद उन्हें समझ आया कि एक या दो विभाग संभालना अलग बात है और पूरे राज्य की कमान के साथ राजनीतिक संतुलन बनाए रखना कठिन चुनौती है। लेकिन मोहन यादव ने इस चुनौती को ना सिर्फ संभाल लिया है, बल्कि नवाचार के साथ शासन और प्रशासन को बखूबी संभाल रहे हैं।

शासन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर विशेष भेंट में मोहन यादव ने अपनी चुनौतियों के साथ ही अपने सपनों को जिस सहज अंदाज में साझा किया, वह उनकी राजनीति और चरित्र को समझने का सूत्र है। बड़ा राजनीतिक दल हो या संभ्रांत परिवार, हर नए नेतृत्व के सामने अक्सर अतीत और पूर्वज से तुलना का सवाल उठ खड़ा होता है। अगर अतीत का नेतृत्व विराट रहा हो तो नए नेतृत्व के हर कदम को पुराने की कसौटी पर कसा जाना स्वाभाविक है। मोहन यादव को बखूबी पता है। वे खुद भी स्वीकार करते हैं कि उनके मुख्यमंत्री बनने से पहले करीब साढ़े अठारह साल तक राज्य में बीजेपी की सत्ता रही। उसकी कमान जिन हाथों में रही, वे प्रभावशाली रहे। मोहन यादव स्वीकार करते हैं कि उनके नेताओं ने जो वायदे किए, जिस जैसा शासन चलाया, उन्हें पूरा करना और उस परिपाटी को बरकरार रखना उनका पाथेय है। मोहन यादव को पता है कि उन्हें अपनी भी एक नई लकीर खींचनी होगी। वे खुलकर इसे स्वीकार नहीं करते, बल्कि खुद को विनम्र कार्यकर्ता बताते हैं। मध्य प्रदेश को लेकर उनके भी अपने कुछ सपने हैं। सपना यह कि समृद्ध और वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक संपदा वाला उनका राज्य समृद्ध बने, आर्थिक रूप से समृद्ध हो, कृषि विकास की मौजूदा दर बनी रहे और किसान लगातार समृद्ध होते रहें। सांस्कृतिक रूप से संपन्न राज्य की भारत ही नहीं, वैश्विक मानचित्र पर गहन पहचान भी बने। इन सपनों को हकीकत बनाने के लिए वे अहर्निश जुटे हैं। उनका कहना है कि सोते-जागते हर वक्त उन्हें एक ही चिंता रहती है, यह कि मध्य प्रदेश समृद्ध हो, संपन्न हो और अपनी सांस्कृतिक धरोहरों के साथ आगे बढ़ता रहे। मोहन यादव महाकाल की नगरी उज्जैन के निवासी है। उज्जैन में ही भगवान कृष्ण ने संदीपनी ऋषि के आश्रम में शिक्षा ली थी। मोहन यादव कहते हैं कि कंस-वध के बाद कान्हा जी चाहते तो खुद सिंहासन पर बैठ सकते थे। लेकिन उन्होंने कुर्सी की बजाय शिक्षा को चुना और उज्जैन चले आए। जहां सुदामा से उनकी ऐसी मित्रता हुई, जिससे दुनिया आज भी सीख लेती है। मोहन यादव ने कान्हा की याद में 'श्रीकृष्ण पाथेय' परियोजना की कल्पना की है। मोहन यादव कहते हैं कि कंस वध के बाद मथुरा से चलकर कृष्ण उज्जैन आए। यहां उन्होंने शिक्षा ली। 'श्रीकृष्ण पाथेय' के तहत उज्जैन को मथुरा से जोड़ने की योजना है। इस पथ पर तीन राज्य हैं। कृष्ण उत्तर प्रदेश के मथुरा से राजस्थान होते हुए मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचे थे। श्रीकृष्ण पाथेय करीब साढ़े छह सौ किलोमीटर का होगा। इस पाथेय के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल से मोहन यादव की बात हो चुकी है। यह संयोग ही है कि भजनलाल और मोहन यादव ने तकरीबन साथ-साथ अपने-अपने राज्यों में कमान संभाली थी। मोहन यादव की योजना है कि इस पाथेय को गुजरात के द्वारका तक बढ़ाया जाए। इस सिलसिले में गुजरात सरकार से भी मध्य प्रदेश की बातचीत चल रही है। श्रीकृष्ण पाथेय सही मायने में सांस्कृतिक पथ होगा। मोहन यादव कहते हैं कि लोकजागरण भी उनकी जिम्मेदारी है। इस पाथेय के जरिए दुनिया को दो संदेश देने की कोशिश होगी, पहला शिक्षा का संदेश और दूसरा अमीर-गरीब की मित्रता का संदेश। समाज को जोड़ने में शिक्षा और मित्रता का योगदान अनमोल है। इस पाथेय पर श्रीकृष्ण जहां-जहां रूके, उन-उन जगहों, तीर्थों को विकसित करने और पाथेय पर हस्तशिल्प कलस्टर को बनाने की तैयारी है। इससे जहां पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

मध्य प्रदेश सरकार साल 2024 में लाड़ली बहना योजना पर 9 हजार 455 करोड़ रूपये से अधिक की राशि खर्च की है। जिसका फायदा राज्य की एक करोड़ 29 लाख महिलाओं को मिला है। बेशक ऐसी योजनाएं सरकारों के लिए फायदेमंद साबित हुई हैं, लेकिन एक वर्ग के निशाने पर भी ये योजनाएं हैं। मोहन यादव को भी पता है कि ऐसी कल्याणकारी योजनाओं को लंबे समय तक चलाना तभी संभव होगा, जब राज्य की आर्थिक सेहत अच्छी हो। इसलिए राज्य में इन्वेस्टर समिट किए जा गए। राज्य स्तर पर सातवां निवेशक सम्मेलन फरवरी 2025 में होना है। ये सम्मेलन संभागीय स्तर पर भी आयोजित किए जाते रहे। इन सम्मेलनों से अब तक राज्य को चार लाख करोड़ का निवेश प्रस्ताव मिल चुका है। जिसे और बढ़ाने की तैयारी है।

पर्यावरण संकट झेल रही दुनिया में भारत के कई राज्यों पर कार्बन रेटिंग ठीक करने का दबाव है। लेकिन उनके पास जंगल लायक जमीन नहीं है। मोहन यादव उन राज्यों के लिए कैप्टिव योजना लाने जा रहे हैं। जिसे कान्हा वन, वृंदावन योजना नाम दिया गया है। इसके तहत कार्बन रेटिंग ठीक करने की चाहत रखने वाला राज्य मध्य प्रदेश में लीज पर जमीन ले सकता है और यहां जंगल लगा सकता है। मुख्यमंत्री का कहना है कि इससे जहां दूसरे राज्यों की कार्बन रेटिंग सुधरेगी, वहीं मध्य प्रदेश का वन क्षेत्र बढ़ेगा। जिससे मध्य प्रदेश का पर्यावरण भी बेहतर होगा।

कृषि विकास दर के लिहाज से मध्य प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। मोहन यादव ऐसी योजनाएं ला रहे हैं, जिससे किसानों की आय और बढ़े और राज्य की आर्थिक सेहत भी दुरूस्त हो। इस लिहाज से दुग्ध उत्पादन और बागवानी पर जोर दिया जा रहा है। देश के दुग्ध उत्पादन में मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी नौ प्रतिशत है, योजना है कि इसे बढ़ाकर बीस प्रतिशत किया जाए। किसी भी राज्य के कृषि विकास में उस राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में हो रही पढ़ाई और शोध का बहुत योगदान होता है। मोहन यादव इसे समझते हैं, इसीलिए राज्य के सभी 16 विश्वविद्यालयों में कृषि विभाग शुरू किए गए हैं। राज्य में कपास का उत्पादन भी खूब होता है। मोहन यादव सरकार चाहती है कि मध्य प्रदेश की कपास से राज्य में ही कपड़े का उत्पादन हो, इसके लिए योजना लाई गई है। मध्य प्रदेश की कपड़ा मिलों में महिलाओं को नौकरी मिले, इसके लिए प्रति महिला पांच हजार रूपए महीने उत्पादक को सब्सिडी देने की तैयारी है। इसी तरह राज्य के प्रमुख शहरों, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रीवां समेत सात जगहों पर आईटी पार्क स्थापित करने की तैयारी है। युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए राज्य में 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेज खोले जा रहे हैं। शासन में फिजूलखर्ची रोकने की योजना भी बनाई गई है। इसके तहत स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा जैसे अलग विभागों को एकीकृत कर दिया गया है। राज्य के प्रशासन में जहां भी जरूरी होगा, उन्हें संतुलित करने, विभागों को एक साथ लाने की योजना पर काम चल रहा है। राज्य सरकार थानों का परिसीमन सफलतापूर्वक कर चुकी है, इसी तर्ज पर प्रशासनिक परिसीमन की भी तैयारी है। इसी तरह अफसर-कर्मचारी अनुपात को भी तर्कसंगत करने की तैयारी है। मोहन यादव कहते हैं कि सरकारी तंत्र पर खर्च होने वाला हर पैसा नागरिक का होता है और उसका दुरूपयोग नहीं होने दिया जाएगा। मोहन यादव सरकार एक और अनूठी योजना लेकर आई है। मध्य प्रदेश पहला राज्य बन गया है, जहां सरकारी स्तर पर एयर एंबुलेंस सेवा शुरू की गई है। आयुष्मान योजना के तहत आने वाले रोगियों को यह सुविधा जहां मुफ्त मिलेगी, वहीं सक्षम लोगों से इसके लिए फीस ली जाएगी। निजी और सरकारी सहयोग के आधार पर अस्पताल शुरू किए जा रहे हैं।

दिल्ली चुनावों पर 'रेवड़ी कल्चर' का खतरनाक साया

ललित गर्ग

दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र से उग्रतर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले अब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके अन्तर्गत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए महीने दिए जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रंथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके अनुयायियों को रिझाते-रिझाते एकदम से केजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं सिख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना है कि विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार बांटने, तोहफों, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। बजट में भी 'रेवड़ी कल्चर' का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। 'फ्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती है। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेय या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है।

'मुफ्त की सौगात' राजनीतिक फायदे के लिए जनता को दाना डालकर फंसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती है, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंतत: मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के वादे कर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति

के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है।

रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली में महिलाओं एवं किन्नरों को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा की घोषणाएं की गयी है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। लेकिन केजरीवाल ने ऐसी विकृत राजनीति को जन्म दिया है, जिसमें विकास पीछे छूट गया है। राजनीतिक दलों में ऐसी 'मुफ्त की संस्कृति' की प्रतिस्पर्धा का परिणाम अनुसंधान एवं विकास व्यय, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यय और रक्षा व्यय में कमी के रूप में देखने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पिछले दस वर्षों में दिल्ली का विकास ठप्प है। हम दक्षिण कोरिया के रास्ते पर चलकर भविष्य में एक विकसित अर्थव्यवस्था बनेंगे या हमेशा एक 'विकासशील राष्ट्र' बने रहेंगे, यह हमारे द्वारा अभी चुने गए विकल्पों से निर्धारित होगा। ऐसी मुफ्त की सुविधा, सम्मान एवं लोकलुभावन की घोषणाओं से कहीं हम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की तरह अपनी अर्थ-व्यवस्था को रसातल में न ले जाये?

आप सुप्रीमो ने केवल आप सरकारों बल्कि विपक्षी दलों को अपने राज्यों में पुजारियों-ग्रंथियों को सम्मान राशि देने जैसे परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे नई योजना में बाधा न डालें, ऐसा करके वे भगवान को क्रोधित करेंगे। भला राजनीतिक स्वार्थ की रोटियों के बीच भगवान कहां से आ गये? शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत योजनाएं तो ठीक से चला नहीं पाते, अच्छे-भले सम्पन्न एवं निष्कंटक जीवन का निर्वाह करने वाले लोगों के लिये मुक्त की सुविधाएं कैसे कल्याणकारी हो सकती है? पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा की थी, क्या हुआ उस योजना का? दिल्ली में 250 से अधिक इमामों को 17 महीने से अधिक समय से वेतन नहीं मिला है।

न्यू-ईयर सेलिब्रेट कर लौट रहे दोस्तों के साथ हादसा

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, 3 की मौत, 1 की हालत गंभीर

मरीडिया ऑडीटर, जशपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में नए साल का जश्न मनाकर लौट रहे 3 दोस्तों की मौत हो गई। जबकि एक युवक की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि, चारों बाइक सवार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गए। घटना तपकरा थाना क्षेत्र की है।

हादसे में मरने वालों की पहचान एलेन्स तिर्की (18) निवासी खरीबहार, दीपसन टोप्पो (18) निवासी बांसाझाल, रोहित चौहान (17) के रूप में हुई है। वहीं, आदित्य बड़ा (18) निवासी बासाझाल की हालत नाजुक है। जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

नए साल का जश्न मनाने गए थे 4 दोस्त: जानकारी के मुताबिक, 4 दोस्त एक ही बाइक पर सवार होकर तपकरा की ओर नए साल का जश्न मनाने गए थे। देर रात लवाकेरा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कुनकुरी लवाकेरा स्टेट हाईवे पर समडमा गांव के पास सड़क पर खराब ट्रक खड़ा था। उनकी बाइक ट्रक के पीछे टकरा गई।

घायल का आईसीयू में चल रहा इलाज: तपकरा थाना प्रभारी ठाकुर खोमराज सिंह ने बताया कि, हादसा करीब साढ़े 11 बजे के आसपास हुआ है। हादसे में 3 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। उसे अंबिकापुर रेफर किया गया है, जहां आईसीयू में भर्ती है। आज शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

कोरबा में दोस्तों की कार पलटी एसईसीएल कर्मचारी की मौत, दो लोग घायल, अस्पताल में चल रहा इलाज

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। कोरबा में नए साल की रात तेज रफ्तार कार बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में एक एसईसीएल कर्मचारी की मौत हो गई है, जबकि दो लोग घायल हैं। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि नशे में कार चला रहे थे। घटना मानिकपुर पुलिस चौकी क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, नए साल 2025 का जश्न मना रहे 2 से 3 युवक मारुति बलेनो कार क्रमांक सीजी 12 एटी 0375 को तेज रफ्तार से चला रहे थे। मुड़ापार-सुभाष ब्लॉक कॉलोनी मार्ग पर गुजरते समय मोड़ के पास बिजली के खंभे से जा टकरा गए।

खंभे से टकराई कार: हादसे में आसपास के दुकानों के छप्पर उड़ गए। खंभा भी टूट क्षतिग्रस्त हो गया और कार पलट गई। जिससे कुसमुंडा निवासी एसईसीएल कर्मी अनुभव मसीह की मौत हो गई। कार में सवार दो घायलों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया।

पार्टी कर लौट रहे थे तीनों दोस्त: बताया जा रहा है कि, कार अनुभव ही चल रहा था। एक दोस्त सामने बैठा था, जबकि तीसरा पीछे बैठा था। तीनों पार्टी कर घर लौट रहे थे। इस दौरान कार अनियंत्रित होकर पलट गई। मानिकपुर चौकी प्रभारी ने बताया कि, पोस्टमॉर्टम के बाद शव शव को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। फिलहाल, मामले की जांच जारी है।

बस ड्राइवर-कंडक्टर ने महिलाओं से की बदसलूकी

तय किराए से ज्यादा रुपए मांगे, नहीं दिया को जंगल में उतारने की धमकी दी

मीडिया ऑडीटर, कांकेर एजेंसी। कांकेर में नरेश ट्रैवल्स के बस ड्राइवर और कंडक्टर ने यात्रियों से अधिक किराया वसूल किया। विरोध करने पर बदसलूकी भी की। परेशान यात्रियों ने इसकी शिकायत विधायक आशाराम नेताम से कर दी।

शिकायत के कुछ देर बाद यातायात प्रभारी, कोतवाली थाना प्रभारी और आरटीओ प्रभारी बस स्टैंड पहुंचे। विधायक की शिकायत पर ड्राइवर-कंडक्टर को हिरासत में लिया, और विधिवत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

कांकेर की दीपा जशनानी ने बताया कि वे अपने परिवार के साथ अयोध्या श्री राम लला का दर्शन करने गए और रायपुर से नरेश ट्रैवल्स में सवार होकर वापस आ रहे थे। बस में परिवार के अन्य सदस्य भी सवार थे।

जंगल के पास उतार देने की दी धमकी: कुछ को कोंडागांव तो कुछ को जगदलपुर जाना था। लेकिन टिकट काटने के दौरान परिचालक ने निर्धारित राशि से अधिक का मांग की। यात्रियों द्वारा विरोध करने पर बदसलूकी करते हुए रास्ते में जंगल के करीब उतार देने की धमकी दी।

परेशान यात्रियों ने इसकी शिकायत अपने परिजनों के माध्यम से विधायक आशाराम नेताम से कर दी। महिलाओं के साथ दुव्यर्वहार से नाराज विधायक ने यातायात प्रभारी, कोतवाली थाना प्रभारी और आरटीओ प्रभारी को बस स्टैंड बुलाकर व्यवस्था सुधारने कहा।

साथ ही महिला की शिकायत पर कार्रवाई करने कहा। विधायक के कहने पर कोतवाली प्रभारी ने चालक परिचालक को हिरासत में लेकर विधिवत कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है।

गति पर करवाएंगे नियंत्रण-विधायक: विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि मेरे गृह ग्राम बेवरती की ओर से बसे आ रही है और उनकी गति बहुत ज्यादा है। जिन पर लगाम लगाने निर्देश दिए गए हैं। बस ड्राइवरों पर लगातार मॉनिटरिंग करेंगे।

दुव्यर्वहार करने वालों को भेजते रहेंगे जेल: विधायक ने कहा कि किसी भी यात्री के साथ बदसलूकी नहीं होनी चाहिए। किसी भी यात्रियों के साथ बदसलूकी होने या अन्य जगह यात्रियों को उतारे जाने पर एफआईआर दर्ज करवाकर रहेंगे।

रेप पीड़िता नाबालिग के लिए खुला हाईकोर्ट

अबॉर्शन कराने मांगी अनुमति, छुट्टी के दिन एचसी ने की सुनवाई, कलेक्टर से मांगी मेडिकल रिपोर्ट

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक बार फिर मानवता का परिचय देते हुए शीतकालीन अवकाश के बीच एक रेप पीड़िता प्रेग्नेंट नाबालिग के केस की सुनवाई की। रायगढ़ कलेक्टर को दो दिन के भीतर मेडिकल करा कर 2 जनवरी को रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

दरअसल, नाबालिग ने गर्भपात कराने की अनुमति की मांग को लेकर याचिका दायर कर जल्द सुनवाई का आग्रह किया है।

बता दें, कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की रहने वाली नाबालिग के साथ एक युवक ने पहले दोस्ती की, जिसके बाद उसे अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। इस दौरान युवक ने शादी करने का झांसा देकर उसके साथ रेप किया। फिर वो लगातार

शारीरिक संबंध बनाते रहा, जिससे नाबालिग गर्भवती हो गई।

जेल में है आरोपी, मां नहीं बनना चाहती लड़की: इस मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। लेकिन, पीड़िता नाबालिग की दिक्कतें कम नहीं हुई है। वो बिना शादी के मां बनने का दुख नहीं झेलना चाहती। लेकिन, कानूनी रूप से उसका गर्भपात भी नहीं हो पा रहा है। इसके लिए वो दफ्तरों का चक्कर काट-काट कर परेशान होती रही।

हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अबॉर्शन कराने मांगी अनुमति: पीड़िता ने अबॉर्शन कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें उसने जल्द सुनवाई करने का आग्रह किया है। याचिका में बताया कि याचिकाकर्ता 24 सप्ताह की गर्भवती है। वह अबॉर्शन करवाना चाहती है।

30 दिसंबर को शीतकालीन अवकाश के दौरान रजिस्ट्रार जनरल ने चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के निर्देश पर स्पेशल बेंच का गठन किया, जिसके बाद जस्टिस बीडी गुरू की स्पेशल बेंच ने मामले की सुनवाई की।

मेडिकल बोर्ड का गठन करने का आदेश: प्रारंभिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने ने पीड़िता के निवास से रायगढ़ नजदीक होने को ध्यान में रखते हुए रायगढ़ कलेक्टर को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जून 2024 को जारी अधिसूचना के अनुसार मेडिकल बोर्ड का गठन करने का आदेश दिया है और 2 जनवरी को रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है।

बलिका एवं महिला खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार और खेल अधिकारी गोपाल सिंह के मार्गदर्शन में मनेंद्रगढ़ के शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय के खेल प्रांगण और रेल्वे ईस्टिट्यूट ग्राउंड में विकासखंड और जिला स्तर पर बालिका/महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विकासखंड स्तर की प्रतियोगिता 03 जनवरी 2025 को तथा जिला स्तर की प्रतियोगिता 04 जनवरी 2025 को आयोजित होगी। प्रतियोगिता में खो-खो, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग, रस्सा-कस्सी, हॉकी, कुश्ती, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसे खेलों की स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी।

इसमें 9 से 18 वर्ष तथा 19 से 35 वर्ष आयु वर्ग की बालिका/महिला खिलाड़ी भाग लेंगी।

नाले में मिली लड़की की लाश

हत्या कर बॉडी फेंकने की आशंका, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में होगा खुलासा, फिलहाल पहचान नहीं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में एक नाले में लड़की की लाश मिली है। आशंका जताई जा रही है कि, युवती की हत्या कर लाश को फेंका गया है। हालांकि इस बात की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही हो पाएगी। फिलहाल, पुलिस ने लाश को मॉर्चुरी भिजवा दिया है। मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है।

बताया जा रहा है कि, पुलिस को सुबह 9 बजे के करीब सूचना मिली कि खमतराई इलाके में धनेली नाला के पास नेशनल हाईवे में एक लड़की की लाश है। पुलिस ने पंचनामा के बाद लड़की की लाश को नाले से बाहर निकलवाया। लड़की ने आसमानी रंग का कपड़ा पहना हुआ था। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही की लड़की की हत्या का लाश को फेंक दिया गया है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में होगा खुलासा: फिलहाल लड़की की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के पुलिस थानों में गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है। इसके अलावा पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। फिलहाल लड़की मौत कैसे हुई है। इस बात का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद हो पाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जिले में "एक राष्ट्र एक राशनकार्ड" योजना के तहत ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में "एक राष्ट्र एक राशनकार्ड" योजना के तहत हितग्राहियों का ई-केवाईसी कार्य तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार सभी राशन कार्ड धारकों का ई-केवाईसी ई-पॉस उपकरण के माध्यम से पूरा किया जाना अनिवार्य है। वर्तमान में राज्य के कुल 2.71 करोड़ हितग्राहियों में से 2.33 करोड़ का ई-केवाईसी पूरा हो चुका हैं, जबकि 38 लाख का कार्य शेष हैं। वहीं एमसीबी जिले के कुल 3,65,697 राशन कार्ड धारकों में से अब तक 3,02,935 का ई-केवाईसी पूर्ण कर लिया गया है। शेष 62,762 हितग्राहियों का कार्य अभी बाकी है। जिले में ई-केवाईसी कार्य की प्रगति 81.39 प्रतिशत है, जो कि राज्य के औसत 84.76 प्रतिशत से कम है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार –चिह्नित कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश जारी किए गए हैं। वहीं खाद्य अधिकारी ने सर्व खाद्य निरीक्षक मनेंद्रगढ़, केल्हारी, खड़गवां, चिरमिरी और सर्व संचालक/विक्रेता शा.उ.मू. दुकान एमसीबी एवं आयुक्त नगर पालिका निगम चिरमिरी, सर्व नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत, झगराखाण्ड, खोंगापानी, नई लेदरी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मनेन्द्रगढ़ और सर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ, खड़गवां, भरतपुर को निर्देश दिये गए हैं कि जिले में ई-केवाईसी का कार्य अन्य जिलों की तुलना में धीमा है।

मुर्गा-भात के विवाद में छत से धक्का देकर मार-डाला

नशे में राजमिस्त्री ने की चौकीदार की हत्या, पुलिस को गुमराह करने बताई कहानी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में राजमिस्त्री ने चौकीदार को निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स की छत से धक्का देकर मार डाला। आरोपी दोस्त ने पहले बताया कि, शराब पीने के बाद मुर्गा-चावल लाने को लेकर विवाद हुआ, फिर कहा कि, मैंने उसे चोरी करने से मना किया तो मारपीट की। इसलिए नीचे धक्का दे दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

टीआई एसआर साहू ने बताया कि, ग्राम काठाकोनी निवासी सुरेश सूर्यवंशी (35) शुभम निगम के

निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स में चौकीदार था। वो अकेले रहता था और निर्माण सामग्री की देख-रेख करता था। सोमवार देर रात की घटना के बाद लोगों ने कॉम्प्लेक्स के नीचे पोर्च में पानी के बीच उसका शव पड़ा देखा। जानकारी मिलते ही पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस ने आशंका जताई कि, युवक शराब के नशे में पोर्च में गिर गया होगा। जिसके चलते उसके शरीर पर चोटें आई है। पुलिस ने उसके परिजन को सूचना दी और शव का पोस्टमॉर्टम कराया।

राजमिस्त्री ने पुलिस को बताई दो कहानी: पहले पुलिस ने चौकीदार के खुद से नीचे गिरने का दावा किया था। लेकिन एक प्रत्यक्षदर्शी ने दो लोगों के बीच विवाद की जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस हरकत में आई। जांच में पता चला कि, अजीत टोप्पो भी उसके साथ रहता है। वो मूलतः सारंगढ़ इलाके का रहने वाला है और राजमिस्त्री का काम करता है।

कलेक्टर ने नकली और गुणवत्ताहीन पनीर के खिलाफ सतत कार्यवाही करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने समाचार पत्रों में रायपुर जिले में प्रमुखता से प्रकाशित नकली/गुणवत्ताहीन पनीर बनाने एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन रायपुर द्वारा की गई कार्यवाही को ध्यान में रखते हुए, जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में भी नकली और गुणवत्ताहीन पनीर की आपूर्ति की शंका को दृष्टिगत रखते हुए जिले के समस्त डेयरी दुकानों एवं पनीर विक्रय संस्थानों का सतत् एवं सघन निरीक्षण के साथ अपमिश्रित पनीर विक्रेताओं पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

गुणवत्ताहीन एवं अपमिश्रित पनीर विक्रय की शंका पर वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता व टीम द्वारा मे. हनुमान डेयरी, जे. के. डी. मनेन्द्रगढ़ एवं हजारी होटल, गांधी चौक मनेन्द्रगढ़ से पनीर का विधिक नमूना जब्त कर विश्लेषण (जांच) हेतु खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। नया वर्ष के नजदीक आते ही पनीर की खपत बहुत बढ़ जाती है, जिससे गुणवत्ताहीन पनीर की बिक्री की संभावना बढ़ जाती है। पनीर की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने में सीमावर्ती राज्यों से मिलावटी/गुणवत्ताहीन पनीर की आपूर्ति की आशंका होती है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा पनीर विक्रेताओं पर कड़ी नजर रखी जा रही है। समस्त डेयरी एवं पनीर विक्रय संस्थानों का सतत् निरीक्षण किया जा रहा है। अपमिश्रित पनीर की शंका पर विधिक नमूना लिये जा रहे हैं। खाद्य प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006, नियम 2011 के प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी। और पनीर एवं अन्य खाद्य सामग्री का नमूना संकलन सतत रूप से जारी रहेगा।

नए साल का जश्न, जमकर थिरके युवक-युवतियां

आधी रात हुई आतिशबाजी, चौक-चौराहों पर तैनात रही पुलिस, सुबह मंदिरों में उमड़ी भीड़

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। 31 दिसंबर की रात बिलासपुर में विदा हो रहे साल को विदाई देने और नए साल 2025 के स्वागत के लिए देर रात तक भव्य जश्न मनाया गया। देर रात घड़ी की तीनों सुइयां जैसे ही 12 पर पहुंची, शहर में जोरदार आतिशबाजी और केक काटकर नए साल का स्वागत किया गया। इस दौरान चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रही और खुद एसपी रजनेश सिंह समेत पुलिस अफसर शहर में पेट्रोलिंग करते रहे। इधर, एक जनवरी को बुधवार की सुबह से मंदिरों में लोगों की भीड़ जुटी रही। साल के पहले दिन विशेष पूजा-आराधना कर लोगों ने पिकनिक स्पॉट में नए साल को सेलिब्रेट किया। पर्यटन स्थल खूंटाघाट डैम और कानन पेंडारी जूलॉजिकल पार्क सहित पिकनिक स्पॉट में भी लोगों की भीड़ नजर आई।

नए साल पर डिस्काउंट भी: महानगरों की तर्ज पर यहां भी लोगों ने बड़े होटल, रेस्टोरेंट और रिसॉर्ट समेत घर की छतों पर जश्न मनाया। शहर के लगभग सभी बड़े होटल और रेस्टोरेंट बुक थे। होटलों में डिस्काउंट के साथ अन-लिमिटेड डिनर का ऑफर भी था। इस दौरान सभी होटल, रिसॉर्ट और ढाबों में देर रात तक महफिल जमी रही। होटलों और रिसॉर्ट संचालकों ने एंकर, लाइव म्यूजिक परफॉर्मर, ऑर्केस्ट्रा की टीम को भी बुलाया था। वहीं, देर रात आतिशबाजी के बीच रंग-बिरंगी लाइटों ने सभी को खूब आकर्षित किया। गीत-संगीत और डीजे की धुन पर युवक-युवतियां थिरकते नजर आए। इस दौरान पूरा शहर जश्न में डूबा रहा।

लाइव म्यूजिक पर जमकर थिरके युवा: अंग्रेजी नववर्ष के आगमन पर शहर में थर्टी फर्स्ट की पार्टी का जबरदस्त क्रेज दिखा। होटलों में लाइव म्यूजिक के साथ-साथ खाने-पीने की पूरी व्यवस्था थी। युवा यहां लाइव म्यूजिक पर जमकर थिरके। शहर की लगभग हर गली और घरों में खुशी का माहौल था। न्यू ईयर को लेकर कॉलेज स्टूडेंट्स बेहद उत्साहित नजर आए।

कहीं एक हजार रुपए एंट्री तो कहीं पांच हजार में टेबल बुक: शहर के होटल, क्लब और रिसॉर्ट में थर्टी फर्स्ट की पार्टी की पहले से ही बुकिंग चल रही थी। क्लब, बार और होटल में कहीं एक हजार रुपए एंट्री तो कहीं पांच हजार रुपए से लेकर एक लाख रुपए तक में टेबल बुक हुए थे। शहर के बार में देर रात तक युवक-युवतियां जाम झलकाते हुए डीजे की धुन पर थिरकते रहे।

केक काटा तो कहीं बंटी मिठाईयां: नए साल में इस बार बंपर केक की बिक्री हुई। लगभग सभी होटल और रेस्टोरेंट में केक की डिमांड रही। मंगलवार की शाम से ही सेलिब्रेशन का दौर शुरू हो गया था। रात 12 बजे लोगों ने केक काटकर जश्न मनाया। इस बार छोटे केक की जबरदस्त डिलीवरी हुई। पाइनएप्पल, चॉकलेट समेत डिमांड के अनुसार फ्लेवर डाला गया।

जगह-जगह पुलिस के जवान तैनात: शहर के थाना में 3-3 पेट्रोलिंग पार्टी तैयार की गई थी, जो लगातार शहर में पेट्रोलिंग कर रहे थे। इसके अलावा रात में मुख्य चौक चौराहों पर पुलिस के जवानों को तैनात किया गया। जिससे किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना घटित न हो। नए साल को लेकर शहर में रात तक चहल-पहल देखा गया।

एसपी बोले- शांतिपूर्ण माहौल में बीता साल का आखिरी दिन: 31 दिसंबर की रात नए साल को सेलिब्रेट करने के लिए पुलिस पिछले कई दिनों से सख्ती से जांच कर रही थी। इस दौरान देर रात घूमने और शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई भी की गई। वहीं, 31 दिसंबर की रात आठ बजे से ही चौक-चौराहों पर पुलिस कर्मी तैनात रहे।

इस दौरान लगातार पुलिस की टीम पेट्रोलिंग भी करते रहे। खुद एसपी रजनेश सिंह के साथ ही पुलिस अफसर शहर की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। एसपी रजनेश सिंह ने कहा कि साल का आखिरी दिन नए साल के स्वागत के साथ शांतिपूर्ण माहौल में बीता। इस दिन को लोगों ने शालीनता के साथ सेलिब्रेट किया।

मंदिर और पिकनिक स्पॉट में जुटी भीड़: इधर, साल के पहले दिन सुबह से ही लोग मंदिरों में मत्था टेकने पहुंचे। लोगों ने मां महामाया के साथ ही शहर के सभी प्रमुख मंदिरों में दर्शन कर अपने दिन की शुरुआत की। इससे गोंडपारा सीताराम मंदिर, सिम्स चौक स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर, वेंकटेश मंदिर, घोंघाबाबा मंदिर, हरदेव लाल मंदिर, तिलक नगर स्थित श्रीराम मंदिर, रेलवे परिक्षेत्र स्थित गणेश मंदिर सहित शहर के प्रमुख मंदिरों में सुबह से भक्तों की भीड़ जुटी रही।

कानन पेंडारी में पर्यटकों की भीड़ संभालने लगे 175 वनकर्मी: नए साल के पहले दिन एक जनवरी को कानन पेंडारी जू में लोगों की भीड़ आने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम में किए गएह हैं।

दिल्ली में कैफे ओनर ने आत्महत्या की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मॉडल टाउन में रहने वाले कैफे ओनर ने मंगलवार को फांसी लगा ली। पुलिस के मुताबिक 40 साल के पुनीत खुराना अपने घर में बेसुध मिले। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुनीत के गले पर रस्सी का निशान था। पुनीत के परिजन ने पुनीत की पत्नी और ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। जबकि पुनीत का फोन पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम आज कराया जाएगा। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक पुनीत, पत्नी तलाक लेने वाले थे। दोनों के बीच कैफे को लेकर विवाद भी चल रहा था। पत्नी से परेशान पुनीत ने मरने से पहले वीडियो भी रिकॉर्ड किया, जो फिलहाल पुलिस के पास है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुनीत की शादी 2016 में हुई थी। पुनीत ने जो वीडियो बनाया है उसमें दोनों को बिजनेस प्रॉपर्टी को लेकर झगड़ते हुए सुना जा सकता है। वीडियो में यह भी सुनाई दे रहा है कि खुराना की पत्नी फोन पर कह रही हैं, %हम तलाक ले रहे हैं लेकिन मैं अभी भी बिजनेस पार्टनर हूं, आपको मेरा बकाया पैसा चुकाना होगा।% पुलिस ने खुराना का फोन जब्त कर लिया है और उनकी पत्नी को पूछताछ के लिए बुलाया है।

केजरीवाल के भागवत से 4 सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ऋ्रस्र प्रमुख मोहन भागवत को लेटर लिखा है। उन्होंने भागवत से 4 सवाल पूछे हैं। केजरीवाल ने पूछा कि भाजपा नेता पैसे बांट रहे हैं। पूर्वांचली और दलित लोगों के नाम कटवाने का भी प्रयास कर रही है। वोट खरीद रही है। क्या आरएसएस को नहीं लगता कि भाजपा लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। इसके जवाब में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सचदेवा ने कहा- आपकी औकात नहीं है कि आप सरसंघचालक से बात भी कर सकें। जब आप कनाडा में आतंकवादियों से पैसा लेते हैं, तो क्या आरएसएस प्रमुख से पूछते हैं?

सचदेवा ने कहा- आपने महिला सम्मान योजना के नाम पर पंजाब और दिल्ली की माताओं-बहनों को एक भी पैसा न देकर धोखा दिया, तब आपने किसी से पूछा? आपका काम ही धोखा देना और मुद्दों से ध्यान भटकाना है। केजरीवाल के लेटर के जवाब में सचदेवा ने भी केजरीवाल को लेटर लिखा है। इसमें उन्होंने केजरीवाल से नए साल पर 5 संकल्प लेने को कहा है।

लखनऊ के होटल में परिवार के 5 लोगों की हत्या

लखनऊ/आगरा (एजेंसी)। लखनऊ के एक होटल में बाप-बेटे ने अपने परिवार के 5 लोगों की हत्या कर दी। पत्नी और 4 बेटियों की हत्या के बाद पिता होटल से भाग गया। जबकि बेटा थाने गया। वहां पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो कमरे में 5 लोगों की लाश पड़ी थी डीसीपी रवीना त्यागी ने बताया- बेटे अरशद (24) के साथ पिता मो. बदर ने पत्नी आसमां, 4 बेटियों- आलिया (9), अक्शा (16), अल्शिफा (19) और राहीमीन (18) की हत्या कर दी। परिवार 30 दिसंबर को लखनऊ आया था। नाका इलाके के शरनजीत होटल में कमरा लिया। बेटे ने मर्डर करने के दौरान का वीडियो भी बनाया। इसमें पिता बच्ची का गला दबाते नजर आ रहा है। कमरे में लाशें पड़ी हैं।

मुख्यमंत्री करेंगे 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ करेंगे। रवीन्द्र भवन भोपाल में 3 से 6 जनवरी 2025 के बीच 4 दिवसीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना और उन्हें विज्ञान, नवाचार और तकनीकी क्षेत्र में योगदान करने के लिए प्रेरित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह आयोजन बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और नवाचार के क्षेत्र में नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। मध्यप्रदेश को इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की मेजबानी करते हुए गर्व हो रहा है। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में देश के 700 से अधिक विद्यार्थी, उनके शिक्षक और मेंटर भाग लेंगे। साथ ही बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, ओमान और सऊदी अरब जैसे

खाड़ी देशों के छात्र भी शामिल होंगे। इस वर्ष राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का मुख्य विषय स्वास्थ्य और कल्याण के लिए, पारिस्थितिकी तंत्र को समझना है। इस विषय को पांच उप-विषयों में विभाजित किया गया है, जिनमें पारिस्थितिकी तंत्र की समझ, पोषण व स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, आत्मनिर्भरता के लिए पारिस्थितिकी दृष्टिकोण, तकनीकी नवाचार और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाएं शामिल हैं।

राष्ट्रीय बाल विकास कांग्रेस एक राष्ट्रीय विज्ञान संचार कार्यक्रम है, जिसकी शुरूआत 1993 में हुई थी। यह भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद के द्वारा आयोजित किया जाता है। इसमें 10 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे भाग लेते है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वराह मिहिर खगोलीय वेधशाला के ऑटोमेशन का उद्घाटन भी करेंगे। इससे विज्ञान और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को नई पहचान मिलेगी। ऑटोमेशन होने से आम नागरिक अब घर बैठे ही वेधशाला के टेलिस्कोप का उपयोग कर सकेंगे। राष्ट्रीय बाल विकास कांग्रेस में विभिन्न विषयों पर 20 से अधिक तकनीकी सत्र, कार्यशालाएं, प्रदर्शनी और विज्ञान आधारित खेलों का आयोजन होगा। इनमें चंद्रयान प्रदर्शनी, वॉटर रॉकेटरी, कागज से टोपी निर्माण, पर्यावरण साँप सीढ़ी का खेल, गणित सीढ़ी का खेल, जीव विज्ञान प्रदर्शनी, लीफ क्राफ्ट, पर्यावरण प्रदर्शनी, चीता प्रदर्शनी, लोक गीत द्वारा वैज्ञानिक जागरूकता, हाइड्रोपोनिक्स तकनीक रोबोटिक्स कार्यशाला, आकाशीय बिजली से बचाव पर प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा।

डीएपी खाद का 50कि.ग्राम का बैग 1350 में मिलता रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने साल के पहले दिन किसानों के लिए बड़े फैसले किए हैं। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने को मंजूरी दे दी है। इसी के साथ फर्टिलाइजर पर सब्सिडी जारी रहेगी। डीएपी खाद का 50 किलोग्राम का बैग पहले की तरह 1350 रुपए का मिलता रहेगा। कैबिनेट ने डीएपी खाद बनाने वाले कंपनियों को 3850 करोड़ की अतिरिक्त सब्सिडी देने का ऐलान किया गया है। फसल बीमा योजना का आवंटन बढ़ाकर 69516 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

फसल बीमा न देने पर पेनल्टी नहीं लगाई जाएगी। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि जगत में इनोवेशन और टेक्नोलॉजी को विस्तार देने के लिए 824.77 करोड़ रुपए के बजट का भी आवंटन किया है मौसम सूचना और नेटवर्क डेटा सिस्टम पर भी काम होगा कैबिनेट ने वेदर इंफॉर्मेशन से जुड़े प्रोजेक्ट पर भी मंजूरी दी है। मौसम सूचना और नेटवर्क डेटा सिस्टम में ब्लॉक स्तर पर ऑटोमेटिक वेदर सिस्टम और पंचायत स्तर पर ऑटोमेटिक रेन गेज स्थापित किए जाएंगे।

मुंबई हमले का आरोपी तहव्वुर राणा भारत लाया जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई हमले (26/11) के आरोपी तहव्वुर राणा को जल्द भारत लाया जा सकता है। अमेरिकी कोर्ट ने भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, राणा को डिप्लोमैटिक चैनल के जरिए भारत लाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। तहव्वुर राणा को 2009 में एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। 15 अगस्त 2024 को राणा ने प्रत्यर्पण के फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसे डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने खारिज कर दिया था। अमेरिकी अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत उसे भारत भेजा जा सकता है। मुंबई हमले की 405 पन्नों की चार्जशीट में राणा

का नाम भी आरोपी के तौर पर दर्ज है। इसके मुताबिक राणा आईएसआई और लश्कर-ए-तैयबा का मेंबर है। चार्जशीट के मुताबिक राणा हमले के मास्टरमाइंड मुख्य आरोपी डेविड कोलमैन हेडली की मदद कर रहा था। 26 नवंबर 2008 को मुंबई में लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने हमले किए थे। उनमें 166 लोग मारे गए और 300 घायल हुए थे। मरने वालों में कुछ अमेरिकी नागरिक भी थे। एनकाउंटर में पुलिस ने 9 आतंकियों को मार गिराया और अजमल कसाब को गिरफ्तार किया था। 2012 में उसे फांसी दे दी गई। राणा-हेडली ने तैयार किया था मुंबई हमले का ब्लूप्रिंट मुंबई पुलिस की चार्जशीट के मुताबिक, राणा आंतकियों को हमले की जगह बताने और भारत में आने के बाद रुकने के ठिकाने बताने में मदद कर रहा था। राणा ने ही ब्लूप्रिंट तैयार किया था, जिसके आधार पर हमले को अंजाम दिया गया। राणा और हेडली ने आतंकवादी साजिश रचने का काम किया था।

चार्जशीट में बताया गया कि मुंबई हमले की साजिश की प्लानिंग में राणा का रोल बहुत बड़ा रोल था।

मणिपुर के इंफाल में फिर गोलीबारी, बम फेंके गए

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले के गांव पर मंगलवार रात कुछ बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। कडांगबंद इलाके में रात करीब 1 बजे बम फेंके गए। गांव वालों ने भी जवाबी फायरिंग की। हालांकि इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है। मणिपुर में यह ताजा घटना सीएम बीरेन सिंह के माफी मांगने के बयान के कुछ घंटो बाद हुई। बीरेन सिंह ने मंगलवार को राज्य में हुई हिंसा और उसमें हुई जनहानि को लेकर माफी

मांगी थी। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सवाल पूछा कि, पीएम मोदी मणिपुर क्यों नहीं जाते हैं। इसके जवाब में बीरेन सिंह ने कहा कि, पूर्व पीएम नरसिम्हा राव के कार्यकाल में भी मणिपुर में अशांति थी। क्या वो कभी वहां गए थे। सीएम बीरेन सिंह ने 31 दिसंबर को सेक्रेटिएट में मीडिया से चर्चा के दौरान कहा था कि हिंसा में कई लोगों ने अपने प्रियजन को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे वास्तव में खेद है। मैं माफी मांगना चाहता हूं। मणिपुर में मई 2023 से अक्टूबर 2023 तक गोलीबारी की 408 घटनाएं दर्ज की गईं। नवंबर 2023 से अप्रैल 2024 तक 345 घटनाएं हुईं। मई 2024 से अब तक 112 घटनाएं सामने आई हैं।

देश भर में नए साल का जश्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 आखिर आ ही गया। देशभर में नए साल का जश्न मनाया जा रहा है। इससे पहले वाराणसी के दशाश्वमेध घाट और अयोध्या में सरयू घाट पर 2024 की आखिरी आरती की गई। ओडिशा के पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में लाल चौक पर बड़ी संख्या में लोग नया साल मनाने के लिए जमा हुए हैं। दिल्ली के इंडिया गेट से मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया तक लोग जश्न बना रहे हैं। दिल्ली में ठंड के बावजूद लोग घरों बाहर हैं। दुनिया भर में साल 2025 का ग्रैंड वेलकम किया जा रहा है। अलग अलग देशों में लोगों ने

शानदार आतिशबाजी कर नए साल का स्वागत किया। भारत से पहले चीन, मलेशिया, सिंगापुर, न्यूजीलैंड जैसे देशों में नए साल का आगाज हुआ। जापान में परंपरा के मुताबिक नए साल पर बौद्ध मंदिरों में 108 बार घंटियां बजाई गई।

राजस्थान में टाइगर ने 3 लोगों पर हमला किया

बांदीकुई (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा जिले में टाइगर ने एक महिला सहित तीन लोगों पर हमला कर दिया। तीनों की हालत गंभीर है और उन्हें जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल रेफर किया गया है। वहीं, ट्रेंकुलाइज करने पहुंची वन विभाग की टीम पर भी टाइगर ने हमला बोल दिया और गाड़ी के कांच फोड़ दिए। घटना जिले के बांदीकुई के महुखुर्द गांव में सुबह 7.30 बजे की है। टाइगर के हमले की सूचना के बाद वन विभाग की टीम भी पहुंच गई है। बताया जा रहा है टाइगर सरिस्का सेंचुरी से आया है।

बीते करीब 20 दिन से सेंचुरी के दो टाइगर गायब हैं और इनकी लोकेशन जयपुर और दौसा के आसपास बताई जा रही है। हालांकि ये स्पष्ट नहीं है कि हमला करने वाला टाइगर इन्हीं में से एक है।

16 राज्यों में घना कोहरा

नई दिल्ली/श्रीनगर/जयपुर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी के कारण उत्तर भारत के राज्यों में ठंड का असर बरकरार है। नए साल के पहले दिन मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत देश के 16 राज्यों में घना कोहरा भी देखने को मिला। उत्तर प्रदेश के 40 जिलों में घने कोहरे के चलते 100 मीटर से ज्यादा दूर देखना मुश्किल हो रहा था। मध्य प्रदेश के भोपाल-उज्जैन समेत कई जिलों में भी विजिबिलिटी 100 मीटर दर्ज की गई। हरियाणा में कोहरे के कारण 30 ट्रेनें प्रभावित हुईं। इसमें 19 ट्रेनें 30 मिनट से 6 घंटे तक देरी से चलीं। 11 ट्रेनें रद्द करनी पड़ीं। यहां 13 जिलों कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान के 3 शहरों में तापमान 5 डिग्री से कम रिकॉर्ड किया गया। माउंट आबू में पारा 2.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने कहा है कि आने वाले दिनों में पारा और गिर सकता है।

जम्मू-कश्मीर में पर्यटन के लिए मशहूर गुलमर्ग में तापमान माइनस 11.5 डिग्री दर्ज किया गया।

जलगांव में 2 गुट भिड़े, 6 गाड़ियां-15 दुकानें जलाई

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव के पारधी में 31 दिसंबर की रात मंत्री गुलाब राव पाटिल के समर्थकों और स्थानीय लोगों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद भीड़ ने 6 गाड़ियों और 15 दुकानों में आग लगा दी। देर रात फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। इसके बाद जलगांव में 2 जनवरी की सुबह 6 बजे तक के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मंत्री गुलाब राव पाटिल की गाड़ी में उनका परिवार नए साल के जश्न में शामिल होने गया था। ड्राइवर ने हॉर्न बजाने और टक्कर लगने पर गांव वालों से बहस की। झगड़े की खबर लगने पर गांव के कुछ लोग और शिवसेना के कार्यकर्ता भी आ गए। इसके बाद वहां खड़ी गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी। पुलिस ने 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने 8 लोगों को हिरासत में लेकर

पूछताछ शुरू कर दी है। एडीशनल एसपी कविता नेरकर ने बताया कि 20 से 25 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धरणगांव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। जलगांव के कई इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। शिवसेना एमएलसी और पार्टी प्रवक्ता डॉ मनीषा कायंदे ने कहा है कि तथ्यों का पता लगाने के लिए पूरी जांच होनी चाहिए कि क्या राज्य के मंत्री गुलाब राव पाटिल और उनके परिवार के जीवन को नुकसान पहुंचाने की कोई शरारत थी। मुझे यकीन है कि महाराष्ट्र पुलिस अपना काम करेगी।

मुंबई- 8 पाकिस्तानियों को 20 साल जेल की सजा मिली

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट ने बुधवार को 8 पाकिस्तानी नागरिकों को 20 साल जेल की सजा सुनाई है। दोषियों को 10 साल पहले ड्रग्स की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया गया था। स्पेशल जज शशिकांत बांगर ने सभी दोषियों पर 2-2 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। दरअसल, 2015 में इंडियन कोस्ट गार्ड ने गुजरात तट पर एक बोट से पाकिस्तानी नागरिकों को 232 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। हेरोइन की कीमत 6.96 करोड़ रुपए थी। कोस्ट गार्ड के जहाज संग्राम के तत्कालीन कमांडिंग ऑफिसर ने स्पेशल कोर्ट में घटना का पूरा ब्यौरा दिया। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के

कराची से आ रही अल यासिर बोट को भारतीय समुद्र सीमा में पकड़ा गया था। उन्होंने कहा कि कोर्ट में मौजूद आरोपी वही हैं जिन्हें पाकिस्तानी बोट से गिरफ्तार किया गया था। दोषियों के नाम दोषियों के नाम अलीबख्शा सिंधी, मक्सूद मासिम, मोहम्मद नाथो, मोहम्मद अहमद इनायत, मोहम्मद यूसुफ गगवानी, मोहम्मद यूनुस सिंधी, मोहम्मद गुलहसन सिंधी और गुलहसन सिद्दीक सिंधी हैं। सरकारी वकील ने मामले में अधिकतम सजा की मांग की थी। हालांकि बचाव पक्ष के वकील ने कम सजा देने का आग्रह किया था। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद आरोपियों को अधिकतम सजा सुनाई। नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टांसेस एक्ट के मामलों में अधिकतम सजा 20 साल की है।

सिडनी टेस्ट से पहले टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने मनाया नए साल का जश्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा समय में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है जहां भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। वहीं अभी तक दोनों टीमों के बीच 4 टेस्ट मैच हो चुके हैं जहां मेजबान टीम 2-1 से आगे है जबकि एक मैच ड्रॉ हुआ।

वहीं मेलबर्न में टीम इंडिया को मिली हार से डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं का लगभग खत्म कर चुका है। वहीं अब आखिरी टेस्ट मैच 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। लेकिन उससे पहले टीम इंडिया के खिलाड़ी नए साल का जश्न मनाते नजर आए। भारतीय टीम मंगलवार को सिडनी पहुंच गई जहां कोई अभ्यास नहीं हुआ। शाम के समय सभी नए साल का जश्न मनाने निकले। टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और अनुष्का सिडनी में साथ नजर आए। उनके पीछे देवदत्त पडिक्कल भी नजर आए। जबकि यंग ब्रिगेड एक साथ जश्न मनाते हुए नजर आए। भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान ने सोशल मीडिया पर तस्वीरे शेयर कीं। इसमें वह नांव में नजर आ रहे थे। उनके साथ भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत, शुभमन गिल, सिरज और हर्षित राणा भी नजर आए। ये सभी खिलाड़ी मस्ती करते नजर आए। हालांकि, इसी टीम को दो दिन बाद सिडनी में करो या मरो मुकाबला खेलना है।

मेलबर्न टेस्ट के बाद ड्रेसिंग रूम में टीम इंडिया पर भड़के गौतम गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेलबर्न टेस्ट मैच की हार के बाद टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर ड्रेसिंग रूप में जमकर टीम पर बिफरे हैं। भारत इस मैच में ड्रॉ की स्थिति में पहुंच गया था लेकिन आखिरी दिन के आखिरी सेशन में टीम की खराब बल्लेबाजी ने उन्हें हार का मुंह दिखा दिया।

हार के बाद ड्रेसिंग रुम में जाकर गंभीर ने साफ शब्दों में कहा कि, अब बस बहुत हो गया। गंभीर ने आरोप लगाया कि खिलाड़ी इंटेंट दिखा रहे हैं लेकिन टीम के बारे में नहीं सोच रहे हैं। गंभीर के मुताबिक अब ऐसा नहीं होगा। अब खिलाड़ी नेचुरल गेम नहीं बल्कि उनके हिसाब से खेलेंगे। गंभीर ने इस दौरान किसी एक खिलाड़ी का नाम ही लिया लेकिन लापरवाही से विकेट खोने वालों को जमकर लताड़ लगाई है। गंभीर खास तौर से मुकाबले में गेम प्लान के हिसाब नहीं खेलने से नाराज थे। उन्होंने कहा कि नेचुरल गेम के नाम पर कई खिलाड़ी अपने हिसाब से बल्लेबाजी कर रहे थे, जबकि उन्हें परिस्थिति के अनुसार खेलना चाहिए था। गंभीर ने कहा कि अब ऐसा नहीं चलेगा।

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक गंभीर ने किसी का नाम नहीं लिया लेकिन ये साफ तौर पर कहा कि खिलाड़ी अपन तथाकथित नेचुरल गेम खेले लेकिन स्थिति के हिसाब से नहीं खेल रहे थे। उन्होंने टीम की प्लानिंग के हिसाब से काम नहीं किया। गंभीर ने ये भी कहा कि पिछले 6 महीने में उन्होंने टीम को ये फैसला करने दिया कि वह क्या चाहते हैं लेकिन अब खिलाड़ी वही करेंगे जो गंभीर चाहेंगे।

13 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने मचाया गदर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में आए दिन कोई ना कोई रिकॉर्ड बन रहे हैं। इस घरेलू वनडे टूर्नामेंट में हार्दिक पंड्या, श्रेयस अय्यर और अभिषेक शर्मा जैसे कई बड़े भारतीय खिलाड़ी भी भी खेलते हुए नजर आ रहे हैं। स्टार खिलाड़ियों के बीच टूर्नामेंट में खेलने वाले 13 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने गदर काट दिया है। दरअसल, वैभव ने बड़ौदा के खिलाफ खेले जा रहे विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबले में बेहतरीन पारी खेली। रन चेज करते हुए उनके बल्ले से ये पारी निकली। उन्होंने 42 गेंदों में 8 चौके और 4 छक्कों की मदद से 71 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 169.05 का रहा। ओपनिंग पर उतरे वैभव ने टीम को अच्छी शुरूआत देने में अहम योगदान दिया। वैभव ने कुमार रजनीश के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 31 गेंदों में 40 रनों की साझेदारी की। फिर दूसरे विकेट के लिए वैभव ने महरौर के साथ मिलकर 60 रनों की साझेदारी की। बता दें कि, मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए बड़ौदा की टीम 49 ओवर में 277 रनों पर सिमट गई। इस दौरान टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज विष्णु सोलंकी ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 102 गेंदों में 12 चौके और 2 छक्के की मदद से 109 रन बनाए।

सिडनी टेस्ट में बारिश बनेगी टीम इंडिया के लिए मुसीबत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में आखिरी टेस्ट मैच खेला जाएगा। फिलहाल, 5 मैचों की सीरीज में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम 2-1 से आगे चल रही है। ऐसे में भारत के लिए ये मुकाबला करो या मरो का होने वाला है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए ये टेस्ट मैच भारत के लिए काफी अहम हो जाता है।

टीम इंडिया ने पर्थ टेस्ट जीता था, इसके बाद एडिलेड टेस्ट में भारत को हार का सामना करना पड़ा। वहीं गाबा टेस्ट ड्रॉ रहा और मेलबर्न टेस्ट में भी भारत को हार का मुंह देखना पड़ा। ऐसे में यहां से कोई भी ड्रॉ भारत के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में जगह बनाने के लिए फायदेमंद नहीं होगा, क्योंकि जीत ही उसका एकमात्र रास्ता है। ऐसे में सिडनी टेस्ट का मौसम भारतीय टीम की रणनीति खराब कर सकता है। सिडनी में 3 जनवरी से शुरू होने वाले 5वें टेस्ट मैच के मौसम की बात करें तो ये मिला-जुला रहेगा। जिसमें धूप और बादल दोनों ही रहेंगे। 3 जनवरी को पहले दिन तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। बारिश की संभावना 30 प्रतिशत तक है। 4 जनवरी को धूप खिली रहेगी और बारिश की संभावना केवल 5 प्रतिशत है। वहीं 5 जनवरी को भी पूरे दिन धूप खिली रहेगी,लेकिन हल्की बारिश की संभावना है और तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।

6 जनवरी को धूप खिलने के बावजूद बारिश की 30 प्रतिशत संभावना है। जो भारतीय टीम के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। हालांकि, 7 जनवरी को बारिश का खतरा बढ़ सकता है और तापमान 21 डिग्री सेल्सियस से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। ऐसे में अगर टेस्ट मैच 5वें दिन तक जाता है तो भारतीय टीम को समय रहते अपनी जीत सुनिश्चित करनी होगी।

एमसीजी में कोंस्टास की साहसिक पारी के उनकी पहचान बनने की संभावना नहीं-एलेक्स कैरी

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने कहा कि युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास ने भारत के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले गए बॉक्सिंग डे टेस्ट में जिस तरह से साहसिक अर्धशतक जड़ा उससे वह मंत्रमुग्ध थे, लेकिन उन्हें लगता है कि यह पारी भविष्य के मैचों के लिए उनकी पहचान नहीं बनेगी। कोंस्टास ने 26 दिसंबर को एमसीजी में लगभग खचाखच भरे स्टेडियम में अपनी टेस्ट करियर का आगाज करते हुए 65 गेंद पर 60 रन की आकर्षक पारी खेली और इस दौरान भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत गुमरा को निशाने पर रखा।

कैरी ने शुक्रवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में भारत के खिलाफ शुरू होने वाले पांचवें टेस्ट से पहले संवाददाताओं से कहा, ''मैं उस पहले सत्र में एक दर्शक था। शायद मेरे मन में वहां मौजूद 90,000 (दर्शकों) की भावनाएं थीं। कई बार मैं इसे नहीं देख सका, कई बार मैंने तालियां बजाई।'' कोंस्टास को पहले तीन मैच में असफल रहने वाले नाथन मैकस्वीनी की जगह टीम में लिया गया और उन्होंने आते ही ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक दृष्टिकोण को अपनाया लेकिन कैरी ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यह 19 वर्षीय सलामी बल्लेबाज हर मैच में इतना आक्रामक प्रदर्शन करेगा।

उन्होंने कहा, ''वह जो ऊर्जा लेकर आए, वह कुछ अलग थी। शायद इतने अंतर की उम्मीद नहीं थी, लेकिन उन्होंने क्रिकेट की एक ऐसी शैलीको अपनाया जो शायद भारत के लिए भी नई थी।'' कैरी ने कहा, ''हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि वह यहां (एससीजी) कैसे खेलते हैं। मुझे नहीं लगता कि यह हर टेस्ट मैच के लिए उनकी पहचान बन जाएगी। लेकिन शुरू में कुछ आक्रामकता अपनाना अच्छा है जिसकी हमें कमी खल रही थी।'' उन्होंने कहा कि पहले तीन टेस्ट मैचों में मैकस्वीनी और उस्मान ख्वाजा की सलामी जोड़ी ने मुश्किल परिस्थितियों में अच्छा काम किया। कैरी ने कहा, ''नाथन और उस्मान ने बहुत सारी गेंदों का सामना करके हमें मुश्किल परिस्थितियों से भी बाहर निकाला। सैम थोड़ा स्कोर करने में सफल रहा और उम्मीद है कि वह यहां भी अच्छा प्रदर्शन करेगा।

एमएस धोनी के साथ नजर आई कृति सेनन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरी दुनिया में नए साल के जश्न में सरोबार है। वहीं इसी कड़ी में भारतीय खिलाड़ी भी अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ खास मौके का जश्न मनाने अलग-अलग पहुंचे हैं। भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी भी परिवार के साथ इस खास मौके के लिए गोवा पहुंचे। नए साल के जश्न के उनके कई वीडियो सामने आए हैं। इन वीडियो में धोनी के साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन भी नजर आ रही हैं। बीते कुछ समय में कृति हर सेलिब्रेशन में धोनी के साथ दिखाई दे रही हैं। धोनी और कृति सेनन की तस्वीरों के पीछे का कारण हैं कबीर बहिया। अमेरिका के इस बिजनेसमैन का धोनी और कृति दोनों से ही कनेक्शन बताया जा रहा है। यही कारण है कि भारतीय क्रिकेटर और एक्ट्रेस साथ नजर आ रहे हैं।

नया साल शुरू होते ही जसप्रीत बुमराह के नाम हुआ ये रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार 1 जनवरी 2025 को आईसीसी ने अपनी ताजा रैंकिंग जारी की है। इस टेस्ट रैंकिंग में टीम इंडिया के स्टार गेंदबाद जसप्रीत बुमराह ने इतिहास रच दिया। दरअसल, वह गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप पर कायम है और अब सबसे ज्यादा रेटिंग पॉइंट्स हासिल करने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने रविचंद्रन अश्विन के 904 रेटिंग अंकों को पीछे छोड़ दिया। उनके नाम अब 907 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं। बुमराह सर्वकालिक सूची में 907 अंकों के साथ इंग्लैंड के डेरेक अंडरवुक के साथ संयुक्त 17वें स्थान पर हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस को भी इस रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। उन्होंने चौथे टेस्ट में 6 विकेट लेकर 15 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए और गेंदबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबज हैं। कमिंस ने मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया की बेहतरीन जीत के दौरान 90 अमह रनों की पारी के दम पर टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में तीसरा स्थान भी हासिल कर लिया है। एमसीजी में खेलते हुए बुमराह टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 200 विकेट लेने वाले भारतीय तेज गेंदबाज बन गए। इससे पहले कपिल देव ने मार्च 1983 में पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट में 50 मैचों में 200 विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया था। बुमराह ने अपने 44वें टेस्ट में ये उपलब्धि हासिल की, जिससे वह रविंद्र जडेजा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय बन गए।

चेतेश्वर पुजारा को टीम में चाहते थे कोच गौतम गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम मेलबर्न टेस्ट जीतने में नाकामयाब रही। जिसके बाद मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम दो टेस्ट मैच जीतने में कामयाब रही। इसी के साथ कंगारू 2-1 से सीरीज में बढ़त बना चुके हैं। वहीं मेलबर्न टेस्ट में फैंस को चेतेश्वर पुजारा की टीम में कमी खली। वहीं कहा जा रहा है कि गौतम गंभीर भी चेतेश्वर पुजार को टीम में चाहते थे। लेकिन सेलेक्टर्स राजी नहीं हुए। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक गंभीर चाहते थे कि चेतेश्वर पुजारा ऑस्ट्रेलिया आएं। भारत को पर्थ टेस्ट मैच में जीत मिली थी, इसके बावजूद भी गंभीर पुजारा को टीम में चाहते थे लेकिन सेलेक्टर्स की ओर से समर्थन नहीं मिला। पुजारा ने भारत के खिलाफ 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं। वह साल 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद से कोई मैच नहीं खेले हैं। हालांकि, इस मैच में वह पहली पारी में 14 और दूसरी पाी में 27 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया में उनका बल्ला खूब चला है। उन्होंने 11 मैचों में 993 रन बनाए हैं। इसके अलावा गंभीर ने जब वॉशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा को टीम में जगह देने का फैसला किया तब भी फैसले पर सवाल उठाए गए थे। सभी लोग इस फैसले से सहमत नहीं थे। पिंक बॉल टेस्ट मैच में आकाशदीप को ड्रॉप करके हर्षित राणा को मौका दिया गया।

चोटिल मिचेल स्टार्क सिडनी टेस्ट खेलेंगे या नहीं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क चोटिल हैं उनकी पसली में दर्द है। जिस कारण उनका सिडनी टेस्ट में खेलने पर सस्पेंस है। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को उम्मीद है कि, स्टार्क पसली में दर्द के बावजूद भारत के खिलाफ शुक्रवार से सिडनी टेस्ट में खेलेंगे। इस 34 वर्षीय तेज गेंदबाज की फिटनेस ऑस्ट्रेलिया की टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। वह बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन से ही पसलियों दर्द से जूझ रहे थे, लेकिन फिर भी टीम के फिजियो की मदद से गेंदबाजी करने में सफल रहे। कंगारू टीम ने सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। दरअसल, बुधवार को एलेक्स कैरी ने कहा कि, वह ठीक हो पाएगा। उम्मीद है कि वह पांचवां टेस्ट मैच खेलेगा। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता संभवतःटेस्ट मैच के करीब स्टार्क की फिटनेस पर फैसला लेंगे, लेकिन कैरी ने कहा कि उन्हें अपने साथ खिलाड़ी की फिटनेस को लेकर कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि, मैं लंबे समय से उसके साथ खेल रहा हूं। वह दमदार खिलाड़ी है। निश्चित तौर पर उसकी पसली में दर्द है और इससे वह कई बार परेशान हो जाता है लेकिन मुझे विश्वास है कि वह अगले मैच तक खेलनेके लिए तैयार हो जाएगा। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया को 2014-15 के बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी हासिल करने के लिए पाँचवाँ टेस्ट मैच जीतना होगा या फिर उसे ड्रॉ करना होगा। भारत अगर ये मैच जीतने में सफल रहा तो वह लगातार पांचवीं बार ये ट्रॉफी अपने नाम कर सकता है। अगर स्टार्क को आराम दिया जाता है तो गेंदबाज झाय रिचर्डसन को टीम में लिया जा सकता है। जिन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच दिसंबर 2021 में खेला था। रिचर्डसन ने टीम में चुने जाने की संभावना के बारे में कहा कि, मैं इसके बारे में नहीं सोच रहा हूं लेकिन अगर मुझे मौका मिलता है कि तो मैं उसका फायदा उठाने की पूरी कोशिश करूंगा।

महिला सशक्तिकरण का उदाहरण बन कोरेक्स की बिक्री कर रही महिलाएं

कबाड़ी मोहल्ले में कोरेक्स के कारोबार में इजाफा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला सशक्ति करण को लेकर सरकार नित नए प्रयास कर रही है जिससे प्रत्येक कामों में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो सके जिसके चलते रीवा में सरकार के प्रयासों को साकार करने के लिए अब महिलाओं ने मादक पदार्थों की बिक्री करने में अपना योगदान देना शुरू कर दिया तथा सिविल लाइन थाना इलाके के कबाड़ी मोहल्ले में अब मात्र महिलाएं ही नशीली सिरप कोरेक्स की बिक्री को बढ़ावा देने के काम में जुटी हुई हैं। जिससे अब कोरेक्स के ब्लैक मार्केट में और ज्यादा इजाफा होने लगा है।

दरअसल नशीली कफ सिरप यानी कोरेक्स जिसे आमतौर पर लोग खांसी की दवाई के रूप में लेते हैं मगर रीवा में इसका प्रचलन नशे के रूप में हो गया है जिसके कारण जिला प्रशासन ने यहां की मेडिकल दुकानों में इसकी बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है मगर नशे के शौकीन लोग जब मेडिकल दुकानों में इसे प्राप्त नहीं कर सके तो खुद ही कोरेक्स के सौदागर बन अवैध तरीके से इस नशीली सिरप की बिक्री करना शुरू कर दिया और अब रीवा के कुछ चुनिंदा इलाके कोरेक्स के ब्लैक मार्केट का गढ़ बने हुए हैं जिसमें शहर के सिविल लाइन और सिटी कोतवाली थाने के मध्य में स्थिति कबाड़ी मोहल्ला भी शामिल है। यहां पर वर्षों से कोरेक्स की गंदगी फल फूल रही है परंतु इस गंदगी को साफ करने में अब तक जिम्मेदार प्रशासन नाकामयाब ही साबित हुआ है। जिसके चलते रीवा जिले का बच्चा बच्चा अवैध तरीके से मिल रही इस सिरप का सेवन कर नशे का आदी बन रहा है। जानकारी के मुताबिक इन दिनों इस कारोबार में वृद्धि लाने को लेकर माफियाओं ने महिलाओं को आगे किया गया है जिसके कारण लगातार कोरेक्स बिक्री के कारोबार में चार चांद लगे हुए हैं तथा पुलिस से भी बचने में आसानी हो जाती है

एक ओर जहां कबाड़ी मोहल्ला नशीली सिरप के अवैध कारोबार का मुख्य केंद्र बिंदु बना हुआ है वहीं कबाड़ी मोहल्ले में पनप रही इस गंदगी में राजनेता के साथ ही कुछ चुनिंदा पुलिसकर्मी और कथित पत्रकार भी गोते लगा रहे हैं वहीं भाजपा, कांग्रेस के नेताओं का संरक्षण प्राप्त कर यहां के लोग लगातार कोरेक्स का गोरखधंधा समूचे जिले में प्रसारित कर रहे हैं। जिसके चलते पुलिस भी इस गंदगी को साफ करने से बचती रहती है क्योंकि अगर पुलिस की टीम कोई कार्यवाही करे तो राजनेताओ और कथित पत्रकारों के द्वारा उसमें भी अपनी राजनीति डालने में कोई कमी नहीं की जाती।

बताया जा रहा है कि शहर के हृदय स्थल जय स्तंभ चौक पर स्थित कबाड़ी मोहल्ले में कोरेक्स का मुख्य कारोबार किया जाता है जहां पुलिस, पत्रकार, समाजसेवी और राजनेताओं की सरपरस्ती में अवैध कफ सिरप की बिक्री की जाती है मगर इस अवैध कारोबार पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाती

विकासखंड स्तरीय दिव्यांगजन शिविर का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनपद शिक्षा केंद्र रीवा द्वारा विकास खंड स्तरीय दिव्यांग जन शिविर का आयोजन 31 दिसंबर को शासकीय मार्तण्ड उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 रीवा में आयोजित किया गया। आयोजित शिविर में रीवा विकासखंड अंतर्गत अध्यनरत कक्षा एक से आठ तक के लगभग 350 दिव्यांग छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए। दिव्यांग जनों की विभिन्न कैटेगरी में शिविर के माध्यम से छात्रों को चिन्हित कर जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा चिन्हित कर उपकरण वितरण हेतु नामांकित किया गया। साथ ही ऐसे छात्र और छात्राएं जिनके अब तक प्रमाण पत्र जारी नहीं हुए थे, उन्हें भी चिन्हित कर प्रमाण पत्र हेतु नामांकित कर जानकारी पूर्ण भारी गई। इस शिविर के आयोजन में जिला रीवा की मेडिकल बोर्ड टीम और जबलपुर से आई एलिमका टीम, समस्त बीआरसी स्टाफ और जन शिक्षकों ने सहयोग दिया। शिविर में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं और स्टाफ को भोजन एवं जलपान की व्यवस्था कराई गई। एपीसी दिव्या झा और बीआरसी दीपेंद्र सिंह ने एमआरसी प्रभाकर सिंह, पिंकी पटेल और समस्त जन शिक्षक साथियों ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं हेतु भोजन एवं जलपान की व्यवस्था की गई। साथ ही उनके यात्रा व्यय का भुगतान किया भी गया। बीआरसी रीवा ने शिविर के आयोजन में सहयोग करने हेतु समस्त स्टाफ को धन्यवाद प्रेषित किया।

अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मौत होने पर आश्रित को मिलेंगे दो लाख रुपए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में विभिन्न कारणों से बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। इन दुर्घटनाओं में कई व्यक्ति अपनी जान गवां देते हैं। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों का भी जीवन कठिन हो जाता है। अब तक अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर मृतक के आश्रितों को सोलेशियम फण्ड से 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती थी। इसके स्थान पर हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना 2022 लागू की गई है। इस योजना से अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मौत होने पर मृतक के आश्रितों को दो लाख रुपए की सहायता राशिा दी जाएगी। गंभीर रूप से घायल होने पर 50 हजार रुपए की सहायता राशि का प्रावधान है। योजना की मानीटरिंग के लिए जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। इसमें पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को सदस्य बनाया गया है। कलेक्टर इस समिति में एक स्वयंसेवी सदस्य को नामांकित करेंगे। बीमा कंपनी के अधिकारी को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है। अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर पीड़ित व्यक्ति तहसीलदार अथवा एसडीएम को निर्धारित प्रपत्र में सहायता राशि के लिए आवेदन प्रस्तुत करेंगे। आवेदन पत्र के साथ दावाकर्ता के बैंक खाते की छायाप्रति, अस्पताल में उपचार कराने के बिल, घायल अथवा मृतक की पहचान तथा पता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करना आवश्यक है। इसके साथ-साथ पुलिस में दर्ज एफआईआर की प्रति, दावा करने वाले की पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रमाण पत्र, मौत की स्थिति में पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं मृत्यु प्रमाण पत्र एवं गंभीर चोट होने पर एमएलसी रिपोर्ट देना आवश्यक होगा। इसका आवेदन करने पर संबंधित जाँच दावा अधिकारी तहसीलदार अथवा एसडीएम 30 दिवस में अपनी जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर इस रिपोर्ट पर 15 दिवस में आवश्यक कार्यवाही कर पीड़ित को सहायता राशि का भुगतान कराएंगे तथा परिवहन आयुक्त को रिपोर्ट प्रेषित करेंगे।

नए साल के पहले दिन जिले के धार्मिक स्थलों में उमड़े श्रद्धालु

सबसे ज़्यादा भीड़ सुप्रसिद्ध चिरहुलानाथ मंदिर में देखने को मिली

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में नए वर्ष के पहले दिन आज सुबह से ही धार्मिक स्थलों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी हुई है। [16] प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा धार्मिक स्थलों में जुटने वाली भीड़ को लेकर व्यवस्थाएं की गई हैं। सुबह से ही प्रशासन और पुलिस के साथ नगर निगम का अमला इन स्थानों पर तैनात किया गया है। बता दें कि रीवा के धार्मिक स्थलों में सबसे ज़्यादा भीड़ सुप्रसिद्ध चिरहुलानाथ मंदिर में देखने को मिली। यहां सुबह से लेकर शाम तक लाखों लोग दर्शन के लिए पहुंच चुके हैं। इसके अलावा क़िला स्थित महामृत्युंजय मंदिर, रानी तालाब मंदिर, कोठी कम्पाउंड स्थित शिव मंदिर सहित साईं मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है। चिरहुला नाथ मंदिर के पुजारी ने बताया कि नववर्ष के मौके पर लोगों की भीड़ सुबह से ही मंदिर पहुंच रही है। जिसके लिए सुबह चार बजे ही मंदिर के पट खोल दिए गए थे। सबसे पहले महाभिषेक किया गया। इसके बाद 6 बजे महाआरती और फिर महाप्रसाद का वितरण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि नव वर्ष की शुरुआत अक्सर लोग भगवान के दर्शन से करते हैं। ऐसे में आज श्रद्धालुओं की भीड़ ज़्यादा है। प्रतिवर्ष चिरहुला नाथ मंदिर में नव वर्ष, हनुमान जयंती और गुरु पूर्णिमा में काफी भीड़ रहती है। करीब 40 से 50 हज़ार दर्शनार्थी यहां पर आते हैं। एक जनवरी होने की वजह से चिरहुला नाथ मंदिर में काफी भीड़ है। चिरहुलानाथ का आशीर्वाद सबके ऊपर बना रहे इसी कामना से लोग यहां आते हैं। पूरा साल अच्छे से सुखमय गुज़रे, हर बीमारी दूर हो कोई दिक्कत ना आए सब खुश रहे।

सगरा में सड़क किनारे खड़ी फार्चूनर में पीछे से आ रही दूसरी कार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ज़िले की सगरा थाना क्षेत्र में बीती देर रात सड़क किनारे खड़े फार्चूनर कार में पीछे से आ रही दूसरी कार टकरा गई। [ड्डस्नस्न] इस हादसे में कार सवार कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भिजवा दिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक कार सवार लोग रीवा से अतरैला की ओर जा रहे थे इसी दौरान सगरा थाना से कुछ ही दूरी पर सड़क किनारे खड़ी फार्च्यूनर कार में पीछे से दूसरी कार जा टकराई। इस सड़क हादसे में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। जिसे देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। लेकिन इस सड़क दुर्घटना में कार सवार लोगों को मामूली चोटें आई। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। वहीं थाने में पहुंचे दोनों पक्षों द्वारा आपसी समझौते के बाद मामला शांत हो गया है।

रीवा नगर निगम का वास्तुदोष दूर करने पूजा-पाठ की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में नगर निगम में आए दिन हो रहे हादसों के बाद पार्षद, महापौर और नगर निगम अध्यक्ष डरे हुए हैं। यहां दो पार्षदों की मौत हो चुकी है जबकि दो पार्षद ज़िंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। पार्षदों की मौत और बीमारियों को लेकर नगर निगम की बिल्डिंग में वास्तुदोष को वजह माना जा रहा है। लोगों का मानना है कि नगर निगम भवन का वास्तु सही नहीं होने से उसमें काला साया है, जिससे एक-एक करके पार्षदों की मौत होती जा रही है। भवन का वास्तुदोष और काला साया दूर करने के लिए काशी के विद्वान ब्राम्हणों से वास्तु पूजा और निगेटिव ऊर्जा शांत कराने की तैयारी भी शुरू हो गई है।

सीएम राइज स्कूल से शिक्षा की गुणवत्ता में हो रहा सुधार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की आधुनिक शिक्षा देने के लिए जिले भर में सीएम राइज स्कूल स्थापित किए गए हैं। रीवा जिले में प्रथम चरण में 12 स्कूलों को इस परियोजना में शामिल किया गया है। सीएम राइज स्कूलों का संचालन आधुनिक उत्कृष्ट स्कूलों की तरह किया जा रहा है। इनमें पठन-पाठन की सुविधाओं, भवन आदि से लेकर पाठ्यक्रम तक में सुधार किया गया है। नवीन भवनों का निर्माण पूरा होने के बाद सीएम राइज स्कूल आवासीय विद्यालय की तरह विद्यार्थियों को आवास और भोजन की सुविधा देने के साथ आधुनिक शिक्षा देंगे। सीएम राइज स्कूलों में आधुनिक प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब, ऑडिटोरियम, खेलकूद की व्यवस्था, आधुनिक क्लासरूम की व्यवस्था की जा रही है।

इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि सीएम राइज स्कूलों में चुने हुए शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया जा रहा है। नई पद्धति से पढ़ाई करने के बाद सीएम राइज स्कूलों में कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में सुधार हुआ है। वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2024 में 3 स्कूलों को छोड़कर शेष 9 स्कूलों के परीक्षा परिणाम बेहतर हुए हैं। कक्षा 12वीं में 2023 में शासकीय उमावि डभौरा में 67 प्रतिशत, उमावि कन्या सेमरिया में 32.6 प्रतिशत, शासकीय पीके कन्या उमावि रीवा में 74 प्रतिशत, शासकीय उमावि रघुराजगढ़ में 58.33 प्रतिशत, शासकीय उमावि ढेरा में 37.71 प्रतिशत, उत्कृष्ट उमावि सिरमौर में 37.16 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा। इसी तरह उत्कृष्ट उमावि मऊगंज में 48.05 प्रतिशत, उमावि बालक मनगवां में 54.1 प्रतिशत, उमावि रायपुर कर्चुलियान में 53.31 प्रतिशत, उमावि गौरी में 70 प्रतिशत, उमावि बालक देवतालाब में 26.8 प्रतिशत तथा उमावि त्योंथर में 44.9 प्रतिशत रहा।

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हितग्राहियों के लिए मानक प्रक्रिया एवं आवश्यक निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी आयुष्मान भारत योजना डॉ. योगेश भरसट ने आयुष्मान भारत योजना में हितग्राहियों को निःशुल्क उपचार प्रदान करने के लिए प्रक्रियाओं और निर्देशों की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इन प्रक्रियाओं और निर्देशों का पालन करके हितग्राही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निःशुल्क उपचार का लाभ सहजता से प्राप्त कर सकते हैं। हितग्राही अस्पताल पहुँचने के बाद सबसे पहले आयुष्मान योजना के लिए पंजीकृत कियोस्क का पता करें और अपने दस्तावेज़, जैसे आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, समग्र आईडी, पात्रता पर्ची, संबल कार्ड या एदृक्ज़् कार्ड को आयुष्मान मित्र को दिखाएं। पात्रता सत्यापन के दौरान आयुष्मान मित्र आपके आयुष्मान कार्ड और आधार/समग्र आईडी का मिलान करेगा और उपचार के लिए अस्पताल की पात्रता सुनिश्चित करेगा। सत्यापन के बाद, आयुष्मान मित्र आपको निःशुल्क उपचार की प्रक्रिया समझाएगा और चिकित्सीय परामर्श तथा उपचार की प्रक्रिया शुरू होगी।

उपचार के दौरान हितग्राही को किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी उपकरण, दवा या सेवा के लिए अस्पताल द्वारा अतिरिक्त राशि चार्ज की जाती है, तो हितग्राही को तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर इसकी जानकारी देनी चाहिए। उपचार पूरा होने के बाद डिस्चार्ज के समय "निल (शून्य बकाया)" राशि का बिल प्राप्त करना सुनिश्चित करें और अस्पताल से मंगलकामना पत्र लेना न भूलें।

हितग्राही से अपेक्षा की गई है कि वे उपचार के बाद फीडबैक फॉर्म को सही जानकारी के साथ भरें और हस्ताक्षर करें। यदि किसी स्तर पर अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है या किसी प्रकार की असुविधा होती है, तो हितग्राही को तुरंत हेल्पलाइन नंबर 14555 या च्क्तत्र्ड्ड मध्यप्रदेश हेल्पलाइन नंबर 18002332085 पर शिकायत दर्ज करायें। हितग्राही को चाहिए कि वे अपने आवश्यक दस्तावेज जैसे आयुष्मान कार्ड, पात्रता पर्ची, आधार कार्ड, राशन कार्ड और समग्र आईडी अपने साथ रखें। अस्पताल पहुँचते ही आयुष्मान कियोस्क पर जाएं और आयुष्मान मित्र से अपनी पात्रता की पुष्टि करवाएं। यह सुनिश्चित करें कि अस्पताल आपकी बीमारी से संबंधित स्पेशलिटी के लिए पैनल में शामिल है। पात्रता की पुष्टि होने के बाद निःशुल्क उपचार प्रक्रिया को समझें और उसका पालन करें। डिस्चार्ज के समय "निल (शून्य बकाया)" राशि का बिल प्राप्त करें और फीडबैक फॉर्म को सही जानकारी के साथ भरें। साथ ही, अस्पताल से मंगलकामना पत्र लेना न भूलें।

घर बैठे बना सकते हैं बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र व्यक्तियों को आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं। इसकी सहायता से एक वर्ष की अवधि में पाँच लाख रुपए तक के उपचार की सहायता दी जाती है। शासन द्वारा 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसके लिए आधार कार्ड में अंकित जन्मतिथि को आधार माना गया है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि जिले में 70 साल से अधिक आयु के एक लाख 45 हजार व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों, ग्राम पंचायतों तथा सभी अस्पतालों एवं संजीवनी केन्द्रों में शिविर लगाए जा रहे हैं। आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, एएनएम तथा सीएचओ द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं।

करहिया मंडी में चोर ने आठ दुकानों के ताले तोड़कर नक़दी पार कर दी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा की करहिया मंडी में बीती रात चोर ने चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। यहां घुसे चोर ने आठ दुकानों के ताले तोड़कर करीब 5 लाख की नक़दी पार कर दी। घटना की जानकारी बुधवार सुबह उस वक्त हुई जब लोग दुकान खोलने पहुंचे। जहां पाया कि काउंटर में रखे नक़दी रुपए गायब थे। हैरानी की बात ये है कि चोरी की इस घटना को चोर ने अकेले ही अंजाम दिया। उसने महज एक घंटे के भीतर आठ दुकानों में चोरी की। ये पूरी घटना सीसी टीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसकी शिकायत पीड़ित दुकानदारों ने थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अब सीसी टीवी फुटेज की मदद से चोर की तलाश शुरू कर रही है। वहीं चोरी की इस घटना से सब्ज़ी व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

नगर निगम क्षेत्र में शिविरों का आयोजन जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान 11 दिसंबर से संचालित है। अभियान 26 जनवरी 2025 तक आयोजित किया जायेगा। इस संबंध में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवड़े ने बताया कि अभियान के दौरान केन्द्र एवं राज्य सरकार की चिन्हित हितग्राहीमूलक योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को लाभांवित किया जा रहा है। अभियान में शिविर लगाकर लोगों की विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित स्थलों में शिविर लगाकर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभांवित करें। आयुक्त ने बताया कि अभियान के तहत 2 जनवरी को प्रधानमंत्री आवास परिसर गोल क्वाटर्स में शिविर लगाया जायेगा।

विश्व रिकॉर्डधारी मेघा परमार सद्भावना दौड़ में हुईं शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व रिकॉर्डधारी मेघा परमार रीवा में आयोजित सद्भावना दौड़ में शामिल हुईं हैं। हर वर्ष की तरह इस साल भी रीवा में आज नए साल का आगाज़ शांति और सद्भावना दौड़ के साथ किया गया। शहर के कॉलेज चौराह स्थित स्वामी विवेकानंद पार्क में नव वर्ष के मौके पर शांति सद्भावना दौड़ का आयोजन किया गया। ये कार्यक्रम करीब 36 सालों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है। आज के आयोजन में एवरेस्ट की ऊंचाइयों को छूने वाली मध्य प्रदेश की बेटी मेघा परमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों को सशक्त बनाने के साथ ही समाज को नशा मुक्ति का संदेश देना था।

इस दौरान देश और दुनिया भर में मध्य प्रदेश का नाम रोशन करने वाली विश्व रिकॉर्डधारी मेगा परमार का सम्मान किया गया। ये कार्यक्रम नगर निगम रीवा, ज़िला प्रशासन एवं रिएक्ट संस्था द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें ज़िले के प्रशासनिक अधिकारियों ने भी शामिल होकर लोगों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी।

कमिश्नर ने एवरेस्ट विजेता पर्वतारोही मेघा को किया सम्मानित

प्रसिद्ध पर्वतारोही मेघा परमार ने रीवा में नव वर्ष के अवसर पर आयोजित सद्भावना दौड़ में भाग लिया। कार्यक्रम के बाद सुश्री परमार ने कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर कमिश्नर बीएस जामोद से सौजन्य भेंट की। कमिश्नर जामोद ने सुश्री परमार की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनका पुष्पगुच्छ देकर स्वागत और सम्मान किया। सुश्री परमार ने कमिश्नर जामोद को एवरेस्ट गर्ल पुस्तक भेट की जो उनकी उपलब्धियों पर लिखी गई है। सुश्री परमार ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट पर तिरंगा लहराने के साथ विश्व के सभी महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटी पर भी तिरंगा फहराया है। सुश्री परमार ने सबसे कम समय में समुद्र की सर्वाधिक गहराई तक स्कूवा डाइविंग करके विश्व रिकार्ड भी कायम किया है। इस अवसर पर डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय, अपर कमिश्नर नीतू माथुर, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी तथा संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे उपस्थित रहे।

14 से 28 जनवरी तक आयोजित होंगे आनंद महोत्सव के कार्यक्रम

14 जनवरी से 28 जनवरी तक आयोजित होंगे आनंद महोत्सव के कार्यक्रम

रीवा 01 जनवरी 2025. शासन के निर्देशों के अनुसार जिले में 14 जनवरी से 28 जनवरी तक आनंद उत्सव मनाया जाएगा। इसके तहत जिला और विकासखण्ड स्तर पर विभिन्न आयोजन होंगे। आनंद उत्सव मनाने के लिए कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। समिति में सदस्य के रूप में आयुक्त नगर निगम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास तथा उप संचालक खेल एवं युवा कल्याण को शामिल किया गया है। समिति में सभी एसडीएम, उप संचालक जनसम्पर्क, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला संयोजक आदिमजाति कल्याण, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण, जिला युवा अधिकारी नेहरू युवा केन्द्र तथा डॉ मुकेश येंगल प्रतिनिधि राज्य आनंद संस्थान को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। नोडल अधिकारी आनंद विभाग तथा संभागीय समन्वयक जनअभियान परिषद प्रवीण पाठक को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।